तत त्वं पूषन अपावृणु

केंद्रीय विद्यालय संगठन

आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,

मुंबई

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिन्दी) हेतु

अनुभवात्मक एवं संवादात्मक हिंदी कक्षाः

सक्रिय अधिगम की ओर

दक्षता आधारित प्रश्न बैंक

COMPETENCY BASED QUESTION BANK

दक्षता उन्मुख प्रश्न

समझ, विश्लेषण, अनुप्रयोग पर आधारित

सीखने की गहराई को बढ़ाने हेतु

कक्षा 9 एवं 10 (गंगा एवं क्षितिज भाग-2) पर केंन्द्रित

प्रश्न जो सोचने की क्षमता जगाएँ,
सीखने को अनुभव से जोड़ जाएँए।

समझें * सोचें * विश्लेषण करें * समाधान करें * सृजन करें

तत त्वं पूषन अपावृणु
केंन्द्रीय विद्यालय संगठन

केंद्रीय विद्यालय संगठन

आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मुम्बई

संरक्षक

श्री विकास गुप्ता, आई ए एस

आयुक्त,
केंद्रीय विद्यालय संगठन

श्रीमती पी बी उषा

संयुक्त आयुक्त (प्रशिक्षण)
केंद्रीय विद्यालय संगठन

श्री टी प्रभुदास

निदेशक
आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,
मुंबई

तत् त्वम् पूषण अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केंद्रीय विद्यालय संगठन

आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मुम्बई

कार्यशाला समन्वयक एवं संसाधक मंडल

डॉ राजेश शर्मा

प्रशिक्षण कार्यशाला समन्वयक

आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान

श्री महेश कुमार कुलदीप

संसाधक

स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी)
केंद्रीय विद्यालय जयसिंधर, बाड़मेर
जयपुर संभाग

श्री दिनेश सिंह

संसाधक

स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी)
केंद्रीय विद्यालय वि वि नगर, अहमदाबाद

आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मुंबई / ZONAL INSTITUTE OF EDUCATION AND TRAINING MUMBAI,				
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिन्दी) हेतु "अनुभवात्मक एवं संवादात्मक हिन्दी कक्षा: सक्रिय अधिगम की ओर"				
दिनांक 10.08.2026 से 13.08.2026 (4 दिवसीय मुखाभिमुख कार्यशाला) / Offline Workshop				
क्र. सं.	**प्रतिभागी का नाम**	**संभाग**	**केन्द्रीय विद्यालय का नाम**	**सुपुर्द कार्य**
1	सरला उइके	रायपुर	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय बीएमवाय भिलाई	आत्मकथ्य-पठित पद्यांश, 05 बहुविकल्पीय
2	चेतन लाल आदित्य	रायपुर	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय बिलासपुर	आत्मकथ्य-लघूत्तर प्रश्न, 02 अंक
3	संगीता देवी	रायपुर	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय डोंगरगढ़	उत्साह -पठित पद्यांश,05 बहुविकल्पीय
4	चूड़ामणि कँवर	रायपुर	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय जगदलपुर	उत्साह-05 लघूत्तर प्रश्न, 02 अंक
5	विनीता पाण्डेय	रायपुर	केन्द्रीय विद्यालय झगराखण्ड	अट नहीं रही है-पठित पद्यांश, 05 बहुविकल्पीय
6	ख्याति पाठक	रायपुर	केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 कोरबा	अट नहीं रही है- 05,लघूत्तर प्रश्न
7	पवन कुमार वर्मा	रायपुर	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 1 रायपुर (प्रथम पाली)	यह दन्तुरित मुस्कान-पठित पद्यांश,05 बहुविकल्पीय
8	पुरुषोत्तम पटेल	रायपुर	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2 रायपुर	यह दन्तुरित मुस्कान-05 लघूत्तर प्रश्न,02 अंक
9	सीता राम मीणा	अहमदाबाद	केन्द्रीय विद्यालय ओएनजीसी अंकलेश्वर	फसल-पठित पद्यांश,05 बहुविकल्पीय प्रश्न
10	श्रवण कुमार	अहमदाबाद	पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्र.2 आर्मी , बडौदा	फसल-05लघूत्तर प्रश्न,02 अंक
11	पुरन लाल	अहमदाबाद	पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय भावनगर परा, अहमदाबाद	संगतकार -पठित गद्यांश 05 बहुविकल्पीय
12	कविता	अहमदाबाद	पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बीएसएफ, दांतिवाड़ा	संगतकार-05लघूत्तर प्रश्न,02 अंक
13	लोकेश कुमार	अहमदाबाद	पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रं.1 वायुसेना जामनगर	नेताजी का चश्मा -पठित गद्यांश, 05 बहुविकल्पीय
14	जयेशकुमार सुतारिया	अहमदाबाद	पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय वायु सेना स्थल, नलिया	नेताजी का चश्मा -पठित गद्यांश, 05 बहुविकल्पीय
15	सुमन मीना	अहमदाबाद	पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पोरबंदर	नेताजी का चश्मा-05 लघूत्तर प्रश्न, 02अंक
16	नीलम यादव	अहमदाबाद	पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय राजकोट	बाल गोबिन भगत-पठित गद्यांश 05, बहुविकल्पीय
17	नरेन्द्र सिंह	पटना	केंद्रीय विद्यालय अररिया	बाल गोबिन भगत -पठित गद्यांश 05 बहुविकल्पीय
18	नीलम विश्वकर्मा	पटना	केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 बरौनी	बाल गोबिन भगत-05 लघूत्तर प्रश्न, 02अंक
19	प्रतीक त्रिपाठी	पटना	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय.गढ़हरा	लखनवी अंदाज -पठित गद्यांश 05, बहुविकल्पीय
20	कु.श्वेता दुबे	पटना	पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय जमालपुर	लखनवी अंदाज -पठित गद्यांश 05 बहुविकल्पीय
21	अंजली यादव	पटना	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय खगड़िया	लखनवी अंदाज-05 लघूत्तर प्रश्न, 02अंक

22	नेहा शर्मा	पटना	पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय आयुध निर्माणी नालंदा	लखनवी अंदाज -पठित गद्यांश 05, बहुविकल्पीय
23	रणजीत कुमार जायसवाल	पटना	केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक २, बेली रोड पटना	एक कहानी यह भी-पठित गद्यांश 05, बहुविकल्पीय
24	अन्नू शर्मा	पटना	केन्द्रीय विद्यालय वायु सेना स्थल पुर्णिया	एक कहानी यह भी-पठित गद्यांश 05, बहुविकल्पीय
25	बलवीर सिंह शेखावत	जयपुर	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय भरतपुर	एक कहानी यह भी -05 लघूत्तर प्रश्न, 02अंक
26	विमलेश मीना	जयपुर	1.पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय-क्रमांक-1, बजाज नगर, जयपुर	नौबतखाने में इबादत-पठित गद्यांश 05, बहुविकल्पीय
27	गंगा विशन	जयपुर	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 01 वायुसेना स्थल जोधपुर	नौबतखाने में इबादत-पठित गद्यांश 05, बहुविकल्पीय
28	सुमित्रा कुम्हार	जयपुर	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 01 सेना, जोधपुर	नौबतखाने में इबादत -05 लघूत्तर प्रश्न, 02अंक
29	चेताराम	जयपुर	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय झुंझुनू	नौबतखाने में इबादत-पठित गद्यांश 05, बहुविकल्पीय
30	लीला शर्मा	जयपुर	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय एकलिंगगढ़ उदयपुर	नौबतखाने में इबादत-पठित गद्यांश 05, बहुविकल्पीय
31	दलीप सिंह	जयपुर	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र 1 वायुसेना स्थल सूरतगढ़	नौबतखाने में इबादत -05 लघूत्तर प्रश्न, 02अंक
32	राजेन्द्र	जयपुर	केंद्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल रामगढ़	संस्कृति -पठित गद्यांश 05, बहुविकल्पीय
33	अश्वनी कुमार	मुंबई	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 वास्को	संस्कृति-पठित गद्यांश 05, बहुविकल्पीय
34	लवकुश शर्मा	मुंबई	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय गणेशखिंड पुणे	संस्कृति -05 लघूत्तर प्रश्न, 02अंक
35	अजमेर सिंह	मुंबई	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय वायुसेना स्थल , ठाणे	माता का अंचल -03 लघूत्तर प्रश्न, 4 अंक
36	राकेश कुमार	मुंबई	केन्द्रीय विद्यालय न्यू माजरी	साना साना हाथ जोड़ी -03 लघूत्तर प्रश्न, 4 अंक
37	राजवीर सिंह मीणा	मुंबई	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 कोलाबा	मैं क्यों लिखता हूँ -03 लघूत्तर प्रश्न, 4 अंक
38	कुलदीप कविया	मुंबई	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय शिफ्ट II अंबरनाथ	वाक्य भेद(रचना के आधार)10 प्रश्न (2 सेट)
39	प्रीति चंद्रिकापुरे	मुंबई	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कोलीवाड़ा	पद परिचय 10 प्रश्न (2 सेट)
40	साक्षी शरद शिंगटे	मुंबई	अटोमिक एनर्जी सेंट्रल स्कूल-5, मुंबई	वाच्य,अलंकार /10 प्रश्न (2 सेट)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मुंबई
विषय: प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिन्दी) हेतु "अनुभवात्मक एवं संवादात्मक हिन्दी कक्षा: सक्रिय अधिगम की ओर"
(अवधि: 10 अगस्त 2026 से 13 अगस्त 2026 तक)
कक्षा – 10 (हिंदी कोर्स अ)

अपठित बोध

1 अपठित गद्यांश

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (7 अंक)

करीब साढ़े छह लाख गाँवों के समृद्ध ताने-बाने से बने भारत के सामाजिक-आर्थिक परिवेश में ग्रामीण क्षेत्रों और ग्रामीण जनों की एक महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज भी हमारे देश की 68.84 प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में ही निवास करती है इसलिए भारत की रीढ़ कहे जाने वाले इन गाँवों के विकास के बिना देश के संपूर्ण विकास की कल्पना भी निरर्थक है। पिछले 5 वर्षों में पुन्सरी गाँव में विकास की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। एक समय था जब गाँव में बिजली अनियमित रूप से आती थी और रात के समय अँधेरा छा जाता था। परंतु अब सौर ऊर्जा आधारित बिजली परियोजना के कारण हर घर रोशन हो चुका है। वर्ष 2020 में गाँव के कुछ शिक्षित युवाओं ने मिलकर एक पुस्तकालय की स्थापना की। यह पुस्तकालय न केवल विद्यार्थियों के लिए ज्ञान का स्रोत बना, बल्कि बड़ों ने भी अध्ययन में रुचि दिखानी शुरू की।
वर्ष 2021 में शुरू किए गए सफाई अभियान के बाद गाँव की सूरत ही बदल गई। पहले गंदगी और कीचड़ की समस्या आम थी, लेकिन अब गाँव स्वच्छता में पुरस्कार जीत चुका है। वर्ष 2022 में बने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ने लोगों को शहर जाने की परेशानी से मुक्ति दिलाई। वहीं वर्ष 2023 में तालाब का पुनरुद्धार कर उसमें मछली पालन शुरू किया गया, जिससे कई परिवारों को रोजगार मिला। इन पाँच वर्षों में गाँव की सड़कें पक्की की गई, प्राथमिक विद्यालय का विस्तार हुआ और महिलाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण केंद्र भी खोले गए। यह सब मिलकर गाँव के आत्मनिर्भर बनने की कहानी कहते हैं। विकास की इन सतत पहलों ने ग्रामवासियों में आत्मविश्वास और आशा का संचार किया है।

1 कथन **(A)** और कारण **(R)** को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए : (1)

कथन (A): गाँव में रोजगार के नए अवसर पैदा हुए।

कारण (R) : गाँव के तालाब का पुनरुद्धार कर उसमें मछली पालन की शुरुआत की गई।

विकल्प:

(i) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

(ii) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(iii) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(iv) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर - (iii) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

2 गाँव के विकास से संबंधित निम्न कथनो में से सही विकल्प का चयन करो: (1)

(1) गाँव की सड़कें पक्की की गई।

(2) महिलाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण केंद्र खोले गए।

(3) गाँव में बिजली की कोई व्यवस्था नहीं हुई।

(4) स्वास्थ्य केंद्र ने इलाज की सुविधा हुई।

विकल्प:

(i) कथन 1, 2 और 4 सही हैं।

(ii) कथन 2 व 3 सही हैं।

(iii) कथन 1 व **3** सही हैं।

(iv) कथन **1** सही है।

उत्तर - (i) कथन 1, 2 और 4 सही हैं।

3 पिछले 5 वर्षों में गाँव में किस योजना के कारण हर घर रोशन हो गया ? (1)

(i) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र योजना

(ii) सौर ऊर्जा आधारित बिजली परियोजना

(iii) सफाई अभियान

(iv) तालाब पुनरुद्धार योजना

उत्तर - (ii) सौर ऊर्जा आधारित बिजली परियोजना

4 गाँव में 2020 में किस नई पहल की शुरुआत की गई और उसका क्या प्रभाव पड़ा? (2)

उत्तर – वर्ष 2020 में गाँव के कुछ शिक्षित युवाओं ने मिलकर एक पुस्तकालय की स्थापना की। यह पुस्तकालय न केवल विद्यार्थियों के लिए ज्ञान का स्रोत बना, बल्कि बड़ों ने भी अध्ययन में रुचि दिखानी शुरू की।

5 यदि किसी अन्य गाँव में पुन्सरी गाँव जैसा विकास मॉडल अपनाया जाए, तो वहाँ किन दो प्रमुख क्षेत्रों पर कार्य किया जाना चाहिए? गद्यांश के आधार पर उत्तर दीजिए। (2)

उत्तर – शिक्षा के क्षेत्र के अंतर्गत पुस्तकालय की स्थापना तथा प्राथमिक विद्यालय का विस्तार किया जा सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्वस्थ्य केंद्र खोलकर शहरों पर से निर्भरता की जा सकती है।

प्रश्न 2 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (7 अंक)

पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। पर्यावरण में सभी प्राकृतिक तत्व जैसे वायु, जल, मिट्टी, पेड़-पौधे, और जीव-जन्तु शामिल होते हैं। इन तत्वों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि मानव जीवन का सीधा संबंध पर्यावरण से है। जब पर्यावरण में असंतुलन पैदा होता है, तो इसका दुष्प्रभाव मनुष्यों और अन्य जीवों पर पड़ता है। प्रदूषण, वनों की कटाई, जल संकट, और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं वर्तमान में पर्यावरण को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही हैं।

भारत सरकार ने पर्यावरण संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें 'स्वच्छ भारत अभियान', 'जल शक्ति अभियान', और 'वृक्षारोपण अभियान जैसी योजनाएँ शामिल हैं। इन अभियानों का उद्देश्य पर्यावरण को सुरक्षित रखने और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। वृक्षारोपण और जल संरक्षण पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि

आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। इसके साथ ही, प्रदूषण को कम करने के लिए सोलर पैनल और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढावा दिया जा रहा है। पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की है। हमें प्लास्टिक का उपयोग कम करना, पानी की बर्बादी रोकना, और वृक्षारोपण जैसे छोटे-छोटे प्रयासों के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए। यह न केवल आज के लिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी आवश्यक है।

1 कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए: (1)

कथन (A): पर्यावरण में संतुलन बनाए रखना मानव जीवन के लिए आवश्यक है।

कारण (R): पर्यावरण का असंतुलन मानव जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

i. कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है।

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर - iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

2 पर्यावरण का संरक्षण क्यों आवश्यक है-

कथन के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए: (1)

1. यह जीवन के लिए आवश्यक तत्वों का संतुलन बनाए रखता है।

II. यह प्रदूषण को बढ़ाता है।

III. यह जल संकट को कम करता है।

IV. यह केवल वनों के लिए है।

विकल्प-

i. कथन I और III सही हैं।

ii. कथन I, II और IV सही हैं।

iii. केवल कथन III सही है।

iv. कथन I, III और IV सही हैं।

उत्तर - i. कथन I और III सही हैं।

3 ग) नीचे दिए हुए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कर सही विकल्प का चयन कीजिए: (1)

	कॉलम 1	**कॉलम 2**
I	वृक्षारोपण का महत्त्व	1.प्रदूषण कम करना
II	जल शक्ति अभियान का उद्देश्य	2.जल संरक्षण
III	सौर ऊर्जा का महत्त्व	3.नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत का उपयोग

i. I (1), II (2), III (3)

ii. I (2), II (1). III (3)

iii. I (3), II (1), III (2)

iv. I (1), II (3), III (2)

उत्तर – i. I (1), II (2), III (3)

4 भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कौन-सी सरकारी योजनाएँ चलाई जा रही हैं? (2)

उत्तर – भारत सरकार ने पर्यावरण संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें 'स्वच्छ भारत अभियान', 'जल शक्ति अभियान', और 'वृक्षारोपण अभियान जैसी योजनाएँ शामिल हैं। इन अभियानों का उद्देश्य पर्यावरण को सुरक्षित रखने और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

5 पर्यावरण संरक्षण व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर क्यों आवश्यक है? (2)

उत्तर – पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की है। हमें प्लास्टिक का उपयोग कम करना, पानी की बर्बादी रोकना, और वृक्षारोपण जैसे छोटे-छोटे प्रयासों के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए। यह न केवल आज के लिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी आवश्यक है।

प्रश्न 3 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (7 अंक)

मानव जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण और परिवर्तनशील चरण युवावस्था है। यह बचपन और प्रौढ़ अवस्था के बीच का सेतु होती है। इस समय व्यक्ति में शारीरिक, मानसिक तथा भावनात्मक विकास तीव्र गति से होता है। इसी अवस्था में व्यक्ति अपने व्यक्तित्व की पहचान करता है और भविष्य के लिए सपने देखता है। इस काल में युवाओं में ऊर्जा, उत्साह और कुछ नया करने की प्रबल इच्छा होती है। यदि इस शक्ति का सही दिशा में उपयोग किया जाए, तो व्यक्ति सफलता की ऊँचाइयों को छू सकता है। शिक्षा, अनुशासन और परिश्रम इस अवस्था की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसी समय अच्छे संस्कार, नैतिक मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियों का विकास होता है।

युवावस्था में गलत संगति, नशे और अनुचित आदतों का खतरा भी बना रहता है। इसलिए युवाओं को विवेक से काम लेना चाहिए और बड़ों के मार्गदर्शन को अपनाना चाहिए। माता-पिता और शिक्षक युवाओं को सही राह दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह जीवन की दिशा तय करने वाली अवस्था है। यदि युवा अपने समय और ऊर्जा का सदुपयोग करें, तो वे न केवल अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकते हैं, बल्कि समाज और देश के विकास में भी अहम योगदान दे सकते हैं।

1 किस अवस्था में आदमी भविष्य के लिए सपने देखता है? (1)

(i) बचपन में

(ii) प्रौढ़ अवस्था में

(iii) युवावस्था में

(iv) प्रत्येक अवस्था में

उत्तर - (iii) युवावस्था में

2 निम्नलिखित कथन (A) और कारण (R) पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए: (1)

कथन (A): युवा व्यक्ति सफलता की ऊँचाइयों को छू सकता है।

कारण (R): यदि ऊर्जा, उत्साह और कुछ नया करने की प्रबल इच्छा शक्ति का सही दिशा में उपयोग किया जाए।

विकल्प

(i) कथन (A) सही और कारण (R) गलत है।

(ii) कथन (A) गलत और कारण (R) सही है।

(iii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी व्याख्या नहीं करता है।

(iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

उत्तर - (iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

3 युवावस्था में खतरा बना रहता है: (1)

(I) गलत संगति का

(II) नशे और अनुचित आदतों का

(III) विवेक से काम लेने का

(IV) गलत दिशा में जाने का

विकल्प

(i) कथन (I) और (II) सही हैं।

(ii) केवल कथन (III) सही है।

(iii) कथन (I) और (IV) सही हैं।

(iv) कथन (I), (II) और (IV) सही हैं।

उत्तर - (iv) कथन (I), (II) और (IV) सही हैं।

4 युवावस्था को जीवन की दिशा तय करने वाली अवस्था क्यों कहा है? (2)

उत्तर – युवावस्था में व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास तेज़ गति से होता है। इसी समय वह अपने व्यक्तित्व को पहचान कर उज्ज्वल भविष्य के सपने देखता है और भविष्य को सही दिशा दे सकता है।

5 युवावस्था में सबसे अधिक किसकी आवश्यकता है? (2)

उत्तर - युवावस्था में सबसे अधिक शिक्षा, अनुशासन और परिश्रम की आवश्यकता होती है। सही दिशा को चयन करने और सामाजिक जिम्मेदारियों का विकास करने की आवश्यकता होती है।

2 अपठित पद्यांश

1 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

संघर्षों की आग में तपकर ही
सोना कुंदन बन जाता है।
ठोकर खाकर गिरने से ही
चलना बेहतर आता है।
कठिन राहों की धूल-मिट्टी
सपनों को रंग देती है।
हार की काली रात सदा
जीत की भोर रच देती है।
जो थककर भी न रुके कभी
वह मंज़िल को पा जाता है।
जो संघर्षों से करे दोस्ती

वह इतिहास बनाता है।
जब आँसू हौसला बन जाए
जब दर्द ताकत कहलाए।
तब जीवन खुद मानव को
सफलता का पथ दिखलाता है।

1 सोना कुंदन बनने का क्या तात्पर्य है?

(i) रूप बदलना

(ii) और अधिक निखरना

(iii) कीमत बढ़ना

(iv) दोष आना

उत्तर - (ii) और अधिक निखरना

2 मंज़िल किसे मिलती है?

(i) जो थककर भी आगे बढ़ता रहता है।

(ii) जो तेज़ चलता है।

(iii) जो ताकतवर होता है।

(iv) जो थकान मिटाकर फिर चलता है।

उत्तर - (i) जो थककर भी आगे बढ़ता रहता है।

3 निम्नलिखित कथन (A) और कारण (R) पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए:

कथन (A): संघर्ष करने वाला इतिहास बनाता है।

कारण (R): संघर्ष से व्यक्ति में साहस, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है।

विकल्प

(i) कथन (A) सही और कारण (R) गलत है।

(ii) कथन (A) गलत और कारण (R) सही है।

(iii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी व्याख्या नहीं करता है।

(iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

उत्तर - (iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

4 इस कविता में क्या संदेश दिया है?

उत्तर – आराम और निष्क्रियता को छोडकर मनुष्य को संघर्ष करना चाहिए। संघर्ष व्यक्ति को निखारता है तथा सफलता दिलाता है।

5 जीवन सफलता का रास्ता कब दिखाता है?

उत्तर - जब मनुष्य दुख मनाना बंद कर देता है और उसका दुख-दर्द कमज़ोरी के बजाय उसकी ताकत बन जाता है।

2 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (7 अंक)

जो बीत गई सो बात गई, जीवन में एक सितारा था
माना, वह बेहद प्यारा था, वह डूब गया तो डूब गया
अंबर के आनन को देखो, कितने इसके तारे टूटे
कितने इसके प्यारे छूटे, जो छूट गए फिर कहाँ मिले
पर बोलो टूटे तारों पर, कब अंबर शोक मनाता है?
जो बीत गई सो बात गई। जीवन में वह था एक कुसुम,
थे उस पर नित्य निछावर तुम वह सूख गया, तो सूख गया,
मधुबन की छाती को देखो सूखी कितनी इसकी कलियाँ,
मुरझाईं कितनी वल्लरियाँ जो मुरझाईं फिर कहाँ खिलीं,
पर बोलो सूखे फूलों पर कब मधुबन शोर मचाता है ?
जो बीत गई सो बात गई। जीवन में मधु का प्याला था,
तुमने तन-मन दे डाला था वह टूट गया तो टूट गया,
मदिरालय का आँगन देखो कितने प्याले हिल जाते हैं,
गिर मिट्टी में मिल जाते हैं जो गिरते हैं कब उठते हैं,
पर बोलो टूटे प्यालों पर कब मदिरालय पछताता है ?
जो बीत गई सो बात गई।

1 'पर बोलो टूटे तारों पर, कब अंबर शोक मनाता है?' इस पंक्ति का क्या आशय है? (1)

(i) आकाश टूटे तारों पर शोक नहीं मनाता है।

(ii) आकाश टूटने वाले तारों की गिनती रखता है।

(iii) आकाश टूटे तारों पर आँसू बहाता है।

(iv) आकाश में तारे टूटते ही रहते हैं।

उत्तर - (i) आकाश टूटे तारों पर शोक नहीं मनाता है।

2 इस कविता के केंद्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों को पढ़कर सबसे सही विकल्प चुनिए। (1)

(i) बीती बातों को याद करते रहना चाहिए।

(ii) हमें बीती हुई दुःखद यादों पर शोक नहीं मनाना चाहिए।

(iii) बीती हुई बातों पर पछतावा करते रहना चाहिए।

(iv) बीत गए वक्त के वापस लौट आने का इंतजार करते रहना चाहिए।

उत्तर - (ii) हमें बीती हुई दुःखद यादों पर शोक नहीं मनाना चाहिए।

3 निम्नलिखित कथन (A) और कारण (R) पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए: (1)

कथन (A): काव्यांश में सूखे फूल व मधुवन का प्रतीकात्मक प्रयोग किया गया है।

कारण (R): बीता हुआ समय व जीवन के विषय की ओर संकेत किया गया है।

विकल्प

(i) कथन (A) सही और कारण (R) गलत है।

(ii) कथन (A) गलत और कारण (R) सही है।

(iii) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

उत्तर - (iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

4 काव्यांश में **'जीवन में एक सितारा'** किसे माना गया है? (2)

उत्तर - काव्यांश में 'जीवन में एक सितारा' उस व्यक्ति, वस्तु तथा परिस्थिति या समय को माना गया है, जो हमें अत्यंत प्रिय हैं।

5 'सूखे फूलों पर मंधुबन कब शोर मचाता है?' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। (2)

उत्तर - प्रस्तुत पंक्ति का आशय है कि मधुबन के फूल सूख जाने पर वह अपने अतीत को याद करके शोक नहीं मनाता, फूलों के मुरझा जाने पर वह शोर नहीं मचाता । बीती बातों को याद करके वह दुःखी नहीं होता।

3 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (7 अंक)

याद रहेगा कालखण्ड यह
तर्क और वैज्ञानिक चिन्तन प्रतिबन्धित हैं
रहन रखा है धर्मान्धों के पास
सब ज्ञान और विवेक की बातें सारी अर्थहीन हैं
मटियामेट किया जाकर इतिहास समूचा
गड़बड़झाला अन्धास्थाएँ हावी हैं अब
पढ़ना-लिखना हुआ जा रहा सभी निरर्थक
भक्ति-योग है आवश्यक शिक्षित होने को
शिक्षण-संस्थानों में हस्तक्षेप हो रहा खुल्लमखुल्ला
भेदभाव कर रहा राज्य है अल्पसंख्यकों और
दलित छात्रों पर अक्सर होता है जो
अत्याचार पता है सबको किन्तु सभी चुप
राज्य प्रताड़न के भय से हैं विवश करें क्या
जबकि कर रहे तोड़-मरोड़ तथ्यों में भारी
पूर्वाग्रह से ग्रस्त पल रहे हैं झूठे पण्डित सरकारी
बदल रहे इतिहास देश का लांछित करते
पूर्वजों के किए-धरे को कर अमान्य जो
कायर और समझौतावादी लोगों को घोषित करते हैं
स्वतन्त्रता के सेनानी झूठे दावों से,
भुला रहे हैं मूल समस्या आमजनों की
युवा वर्ग को उन्मादी जो बना रहे हैं
विश्वविद्यालय प्रांगण में भी पुलिस-फौज़ से
फैलाते आतंक और आरोप लगाते हैं छात्रों पर देशद्रोह का मिथ्यावादी

जबकि आचरण स्वयं कर रहे जनद्रोही, वे बैठे हैं सत्ता के भीतर
शिक्षा के गिरते स्तर के लिए हमेशा सजग व्यक्ति को
याद रहेगा कालखण्ड यह

1 यह कालखंड किस कार्य के लिए याद रहेगा? (1)
i. युवाओं की प्रगति के लिए।
ii. विकास की नई ऊँचाइयों के लिए।
iii. पुलिस और शासन में अभूतपूर्व सकारात्मक बदलाव के लिए।
iv. देश में चारों ओर अव्यवस्था और विकास के गिरते ग्राफ के लिए।

उत्तर - iv. देश में चारों ओर अव्यवस्था और विकास के गिरते ग्राफ के लिए।

2 कवि ने वर्तमान कालखंड के संदर्भ में क्या कहा है? उचित विकल्प का चयन कीजिए- (1)
(I) शिक्षण संस्थाओं का स्तर गिरता जा रहा है।
(II) सरकार में जनवादी नेता शामिल हैं।
(III) सत्ता पक्ष में अंध होना शिक्षित होने की निशानी है।
(IV) इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है।
विकल्प
i. कथन (I) और कथन (II) सही हैं।
ii. कथन (I), (II) और (III) सही है।
iii. कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।
iv. उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।
उत्तर – iii. कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।

3 कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए- (1)
कथन (A) : सत्ता में बैठे कुछ नेता जनद्रोही आचरण कर रहे हैं।
कारण (R) : जनद्रोही नेता पुलिस द्वारा छात्रों पर देशद्रोह का झूठा आरोप लगाते हैं और फँसाते हैं।
i. कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है।
ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
iv. कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
उत्तर – iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

4 तर्क और वैज्ञानिक चिन्तन प्रतिबन्धित क्यों हैं? इसका क्या परिणाम हो सकता है? (2)
उत्तर – चारों तरफ धर्मांधता का बोलबाला है। तर्क और चिंतन की बात करने वाल मूर्ख समझे जाते हैं। उनका कोई महत्त्व नहीं रहा। इसका यह परिणाम हो सकता है कि समाज का विकास रुक जाएगा व समाज अंधिविश्वास में जकड़ जाएगा। पढ़ना-लिखना सब व्यर्थ हो जाएगा। बौद्धिक ह्रास होगा।

5 अल्पसंख्यकों और दलित छात्रों पर अत्याचार पर चुप्पी के क्या कारण हैं? (2)
उत्तर – प्रशासन का भय और झूठे आरोपों में फँसाए जाने और प्रताड़ना के डर से लोग अल्पसंख्यकों और दलित छात्रों पर अत्याचार पर चुप्पी हैं।

व्यावहारिक व्याकरण

वाक्य-भेद (रचना के आधार पर)

ध्वनि - वर्ण - शब्द - वाक्य – भाषा

- ध्वनि भाषा की सबसे छोटी अलिखित इकाई होती है।
- वर्ण भाषा की सबसे छोटी लिखित इकाई होती है।
- वाक्य भाषा की सबसे बड़ी इकाई है।

परिभाषा - शब्दों का व्यवस्थित एवं सार्थक समूह वाक्य कहलाता है।
जैसे :- मधु विद्यालय जाती है।
शिक्षक पाठ पढ़ा रहे हैं।

- **वाक्य के दो अंग होते है –**
  1 उद्देश्य
  2 विधेय।

1 उद्देश्य :- वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए या बताया जाए उसे उद्देश्य कहा जाता है। वाक्य में प्रयुक्त कर्ता ही उद्देश्य कहलाता है।
इसके अंतर्गत कर्ता के साथ कर्ता का विस्तारक (विशेषण) भी माना जाता है।

जैसे : कोयल मधुर गीत गाती है।
रमा खेलती है।

उपर्युक्त वाक्यों में 'कोयल' और 'रमा' के बारे में बताया जा रहा है। अत: ये उद्देश्य हैं। कर्ता को हम उद्देश्य के रूप में ले सकते हैं।

2. विधेय :- वाक्य में उद्देश्य (कर्ता) के बारे में जो कुछ कहा जाता है, उसे विधेय कहते है।
कर्म, कर्म का विस्तारक, क्रिया तथा क्रिया का विस्तारक भी विधेय के अंतर्गत ही माना जाता है।

जैसे : सूरज पूरब में निकला।
बादल घिर आए हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में पूरब से निकला, घिर आए हैं विधेय हैं।
इस प्रकार हम यह जान पाते हैं कि वाक्य में कर्ता ही उद्देश्य और शेष कर्म तथा क्रिया पद विधेय होता है।
रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते हैं –

1 सरल वाक्य (साधारण वाक्य)
2 संयुक्त वाक्य
3 मिश्र वाक्य (मिश्रित वाक्य)

1. सरल वाक्य

- पुलिस ने चोर को पीटा।
- ममता टेलीविजन देख रही है।
- राजा ने ब्राह्मण को दान दिया।
- राम और श्याम खाना खाते हैं।
- मोहन लिख व पढ़ रहा है।
- राम, श्याम व मोहन लिख और पढ़ रहे हैं।

परिभाषा :- जिस वाक्य में एक ही उद्देश्य (कर्ता) और एक ही विधेय (मुख्य क्रिया) होती है, उसे सरल वाक्य कहते है।
जैसे :-
1 लोग इस बात पर हँसते होंगे।
2 वह मैदान में दौड़ रहा होगा।
3 श्रोता कवि – सम्मेलन में शांतिपूर्वक बैठे रहे।
4 वह गाँव जाकर बीमार पड़ गया।
5 भव्य समारोह देखकर मेरा मन खिल उठा।

2 संयुक्त वाक्य

- हम लोग पुणे घूमने गए और वहाँ चार दिन रहे।
- चुपचाप बैठो या यहाँ से चले जाओ।
- वह बीमार है इसलिए आने में असमर्थ है।
- सत्य बोलो परन्तु कटु सत्य न बोलो।
- राम खेल रहा है, राम सो रहा है।

परिभाषा :- जिस वाक्य में दो या दो से अधिक मुख्य तथा स्वतन्त्र उपवाक्य होते हैं, वे संयुक्त वाक्य कहलाते हैं। ये दोनों उपवाक्य पूर्ण अर्थ देने में सक्षम होते हैं। ये और, तथा, फिर, या, अथवा, अन्यथा, किन्तु, लेकिन, इसलिए आदि योजक शब्दों से जुड़े होते हैं।

1 वह आई तो थी किन्तु उसने कुछ कहा नहीं था।
2 जल्दी चलिए अन्यथा बहुत देर हो जाएगी।
3 बरसात आ गई वरना मैं जीत जाता।
4 राम खेल रहा है और श्याम पढ़ रहा है।
5 मुझे ट्रेन पकड़नी थी, इसलिए सुबह जल्दी उठना पड़ा।

3 मिश्र वाक्य

- यदि इस बार वर्षा अधिक हुई तो सारी फसल नष्ट हो जाएगी।
- मोहन परिश्रम करता तो जरुर सफल होता।
- मैंने एक आदमी को देखा जो बहुत बीमार था।
- जो तोता पिंजड़े में बंद है, वह दाल खा रहा है।

- जब सभा समाप्त हुई तो सब लोग चले गए।

परिभाषा - मिश्र वाक्य में एक से अधिक उपवाक्य होते हैं। उनमें एक प्रधान उपवाक्य होता है तथा अन्य एक या अधिक आश्रित उपवाक्य होते हैं। ये उपवाक्य परस्पर व्यधिकरण (बाँटने/अलग करने वाले) योजकों जैसे – कि, यदि, अगर, तो, जब-तब, तथापि, यद्यपि, इसलिए आदि से जुड़े हुए होते हैं।

अभ्यास

प्रश्न 1.निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद में से पाँच में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
1: जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे। (सरल वाक्य में बदलिए)
उत्तर: जीप के कस्बा छोड़कर आगे बढ़ने पर भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे।

2: पिताजी के व्यक्तित्व के कुछ सकारात्मक पहलू गिरती आर्थिक स्थिति के कारण नष्ट हो गए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)
उत्तर: पिताजी के व्यक्तित्व के कुछ सकारात्मक पहलू थे और वे गिरती आर्थिक स्थिति के कारण नष्ट हो गए।

3: एक मान्यता के अनुसार उनका जन्म मथुरा के निकट रुनकता में हुआ था। (मिश्र वाक्य में बदलिए)
उत्तर: एक मान्यता है कि उनका जन्म मथुरा के निकट रुनकता में हुआ था।

4: बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप हुई। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए)
उत्तर: सरल वाक्य

5: वे आग लगाकर चले गए और पिताजी सारे दिन भड़कते रहे। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए)
उत्तर: संयुक्त वाक्य

प्रश्न 2.निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद में से पाँच में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
1: हुड़दंग तो इतना मचाया कि कॉलेज वालों को थर्ड ईयर भी खोलना पड़ा। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए)
उत्तर: मिश्र वाक्य

2: पिताजी को एहसास नहीं था कि दोनों का रास्ता टकराव का है। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)
उत्तर:
- आश्रित उपवाक्य: दोनों का रास्ता टकराव का है
- भेद: संज्ञा आश्रित उपवाक्य

3: वे उन सब लोगों से मिले, जो मुझे जानते थे। (सरल वाक्य में बदलिए)
उत्तर: वे मुझे जानने वाले सब लोगों से मिले।

4: पत्थर की मूर्ति पर चश्मा असली था। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)
उत्तर: मूर्ति पत्थर की थी, परंतु चश्मा असली था।

5: केवट ने कहा कि बिना पावँ धोए आपको नाव पर नहीं चढ़ाऊँगा। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)
उत्तर:

- आश्रित उपवाक्य: बिना पावँ धोए आपको नाव पर नहीं चढ़ाऊँगा
- भेद: संज्ञा आश्रित उपवाक्य

वाच्य

क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि वाक्य में कही गई बात का मुख्य विषय कर्ता, कर्म या भाव है, उसे वाच्य कहते हैं।

वाच्य के भेद

हिंदी में वाच्य मुख्य रूप से तीन प्रकार के होते हैं –

वाच्य का नाम	प्रधानता	पहचान / मुख्य ट्रिक	उदाहरण
कर्तृवाच्य	कर्ता की	कर्ता के साथ 'ने' हो या कोई चिह्न न हो (शून्य)	• राम पुस्तक पढ़ता है। • राहुल ने केला खाया।
कर्मवाच्य	कर्म की	कर्ता के साथ 'से', 'द्वारा' या 'के द्वारा' लगा हो और क्रिया सकर्मक हो।	• राम द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती है। • गोपाल से पत्र लिखा जाता है।
भाववाच्य	भाव/क्रिया की	कर्ता के साथ 'से' या 'द्वारा' हो, क्रिया हमेशा अकर्मक, पुल्लिंग और एकवचन हो (अक्सर असमर्थता जताने के लिए 'नहीं' का प्रयोग)।	• मुझसे अब चला नहीं जाता। • चलो, अब सोया जाए।

वाच्य परिवर्तन के नियम - इसके मुख्य नियम निम्नलिखित हैं -

1. कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाना

- ✓ कर्ता के तुरंत बाद 'से', 'द्वारा' या 'के द्वारा' जोड़ें।
- ✓ क्रिया के साथ काल के अनुसार 'जाना' क्रिया का रूप (जैसे: जाता है, गया, जाएगी) जोड़ा जाता है।

उदाहरण-

कर्तृवाच्य: अध्यापिका बच्चों को पढ़ाती है।

कर्मवाच्य: अध्यापिका द्वारा बच्चे पढ़ाए जाते हैं।

2. कर्तृवाच्य से भाववाच्य बनाना

- ✓ कर्ता के आगे 'से' या 'द्वारा' लगाएँ।
- ✓ मुख्य क्रिया को सामान्य भूतकाल में बदलकर उसके साथ 'जाना' क्रिया का रूप जोड़ें।
- ✓ वाक्य की क्रिया को हमेशा एकवचन, पुल्लिंग और अन्य पुरुष में रखें।

उदाहरण-

कर्तृवाच्य: पक्षी उड़ते हैं।

भाववाच्य: पक्षियों से उड़ा जाता है।

कर्तृवाच्य: मैं बैठ नहीं सकता।

भाववाच्य: मुझसे बैठा नहीं जाता।

अभ्यास

प्रश्न 1. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1 वाच्य किसे कहते हैं ?

क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है कि वाक्य में कर्ता, कर्म या भाव-इनमें से किसकी प्रधानता है, उसे 'वाच्य' कहते हैं।

2 वाच्य के कितने भेद हैं ? उनके नाम लिखो।

वाच्य के तीन भेद हैं – कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य।

3 किस वाच्य में क्रिया सकर्मक और अकर्मक दोनों रूपों में आती है ?

उत्तर : कर्तृवाच्य में

4 राम से खाया नहीं जाता। --- वाच्य पहचानो।

उत्तर : भाववाच्य

5 कर्मवाच्य का एक उदहारण लिखिए।

उत्तर : राम द्वारा गाना गाया जाता है।

प्रश्न. 2 निर्देशानुसार निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

1 बच्चों से खेला जाता है। -- वाच्य पहचानो।

उत्तर : कर्मवाच्य

2 सीता से गई। --- भाववाच्य में परिवर्तित कीजिए।

उत्तर : सीता से सोया गया।

3 आइए, बैठा जाए। ---- कर्तृवाच्य में परिवर्तित कीजिए।

उत्तर – आइए, बैठते हैं।

4 मोहन निबंध लिखता है1 ---- कर्मवाच्य में परिवर्तित करें1

उत्तर : मोहन द्वारा निबंध लिखा जाता है1

5 किस वाच्य में क्रिया एकवचन पुल्लिंग में आती है?

उत्तर : भाववाच्य

प्रश्न 3. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1 जहाँ क्रिया का सीधा सम्बन्ध कर्ता से हो, वहाँ कौन-सा वाच्य होता है ?

उत्तर : कर्तृवाच्य

2 जहाँ क्रिया का भाव प्रमुख होता है, वहीं कौन-सा वाच्य होता है ?

उत्तर : भाववाच्य

3 जहाँ क्रिया का लिंग, वचन कर्म के अनुसार हो, वहाँ कौन-सा वाच्य होता है ?

उत्तर : कर्मवाच्य

4 दीपावली पूरे देश में मनाई जाती है। ---- वाच्य पहचानो।

कर्तृवाच्य

5 पानवाला पान खा रहा था। ----- कर्मवाच्य में परिवर्तित कीजिए।

उत्तर : पानवाले द्वारा पान खाया जा रहा था।

प्रश्न 4 निर्देशानुसार उत्तर लिखें।

1 हम पहाड़ों की पूजा करते हैं। --- कर्मवाच्य में परिवर्तित कीजिए।

उत्तर : हमारे द्वारा पहाड़ों की पूजा की जाती है

2 बाल गोबिन भगत प्रभातियां गाते थे। ------- (वाच्य पहचानिए।)

उत्तर : कर्तृवाच्य

3 सरकार शिक्षा पर बहुत खर्च करती है। --- (कर्मवाच्य में परिवर्तित कीजिए)

उत्तर : सरकार द्वारा शिक्षा पर बहुत खर्च किया जाता है।

4 मुझसे देखा नहीं जाता। --- (वाच्य पह्चानिए।)

उत्तर : भाववाच्य

पद-परिचय

वाक्य में प्रयुक्त प्रत्येक सार्थक शब्द को 'पद' कहा जाता है और उन पदों का विस्तृत व्याकरणिक परिचय (जैसे शब्द का भेद, लिंग, वचन, कारक आदि) देना ही 'पद परिचय' कहलाता है।

1. शब्द और पद में अंतर -

शब्द- वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं। यह स्वतंत्र होताहै। (जैसे- राम, आम, खाना)।

पद- जब कोई शब्द वाक्य में व्याकरण के नियमों (लिंग, वचन, कारक) के अनुसार बंधकर प्रयुक्त होता है, तो वह पद बन जाता है।

उदाहरण: "राम" एक स्वतंत्र शब्द है, लेकिन जब हम कहते हैं "राम आम खाता है", तब 'राम', 'आम' और 'खाता है' तीनों अलग-अलग पद हैं।

2. पद परिचय के दो मुख्य भेद

वाक्य के पदों को मुख्य रूप से दो भागों में बाँटा जाता है, जिसके आधार पर उनका परिचय दिया जाता है-

(क) विकारी शब्द (जिनके रूप में लिंग, वचन, काल के कारण बदलाव आता है) -

संज्ञा - भेद (व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक), लिंग, वचन, कारक, और क्रिया के साथ संबंध
सर्वनाम - भेद (पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक आदि), लिंग, वचन, कारक, क्रिया का कर्ता/कर्म
विशेषण - भेद (गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक, सार्वनामिक), लिंग, वचन और उसका 'विशेष्य' (जिस शब्द की विशेषता बताई जा रही है)
क्रिया - भेद (अकर्मक या सकर्मक), लिंग, वचन, काल (भूतकाल, वर्तमानकाल, भविष्यत्काल), वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) और कर्ता/कर्म का उल्लेख।

(ख) अविकारी शब्द या अव्यय (जिनके रूप में कभी कोई बदलाव नहीं आता) -

क्रियाविशेषण - भेद (कालवाचक, स्थानवाचक, रीतिवाचक, परिमाणवाचक) और वह क्रिया जिसकी विशेषता बताई जा रही है।
संबंधबोधक - जो पद संज्ञा या सर्वनाम का संबंध वाक्य के अन्य पदों के साथ बताते हैं (जैसे- के पास, के ऊपर, के सामने)।
समुच्चयबोधक - दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ने वाले पद (जैसे- और, किंतु, परंतु, इसलिए)।
विस्मयादिबोधक - हर्ष, शोक, घृणा आदि भाव दर्शाने वाले शब्द (जैसे- वाह!, अरे!, हाय!)।
निपात - जो किसी पद पर विशेष बल देते हैं (जैसे- ही, भी, तो, तक)।

अभ्यास

प्रश्न 1 वाक्य में रेखांकित पदों के पद परिचय बताइए-

1) अर्जुन की **चेतावनी** भी उसे **विचलित** न कर सकी।

उत्तर- चेतावनी – संज्ञा , भाववाचक ,स्त्रीलिंग , एकवचन, कर्ता कारक, 'कर सकी 'क्रिया का कर्ता ।

विचलित- क्रिया, अकर्मक, कर्तृवाच्य, पुलिंग,एकवचन ,भूतकाल ,'कर सकी 'सहायक क्रिया।

2) मुझे **देखते ही प्रतिष्ठित** व्यक्ति अंबालाल जी ने गर्मजोशी से मेरा सम्मान किया।

उत्तर –प्रतिष्ठित- गुणवाचक विशेषण, एकवचन , पुलिंग , अंबालाल जी की विशेषता बता रहा है।

देखते ही- रीतिवाचक क्रिया विशेषण ।

3)**अरे** ! आप **तेज़** चलकर सड़क से इस और आ पहुंचे

उत्तर – अरे! -विस्मयादिबोधक ,आश्चर्यसूचक ।

तेज़ – क्रिया विशेषण रीतिवाचक , 'चलकर' क्रिया की विशेषता का नि निर्देशक।

4) **श्रीशांत** ने परिश्रम किया और वह **दसवीं** कक्षा में प्रथम आया I

उत्तर –**श्रीशांत ने** – संज्ञा, व्यक्तिवाचक , पुलिंग ,एकवचन, कर्ता कारक ,'क्रिया' और 'आया' क्रियाओं का कर्ता।

दसवीं— विशेषण, क्रम वाचक, निश्चित संख्यावाचक, स्त्रीलिंग एकवचन 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण ।

5)**हम** पार्क गए परंतु **वहाँ** कोई बच्चा ना मिला ।

उत्तर – **हम** – पुरुषवाचक सर्वनाम , उत्तम पुरुष, पुलिंग, बहुवचन कर्ता कारक,'गए' क्रिया का कर्ता।

कोई – अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुलिंग, एकवचन , 'छात्र' विशेष्य का विशेषण।

6) ऊँचा लक्ष्य रखकर **एक** मामूली आदमी भी **सुनहरा** भविष्य बन सकता है।

उत्तर – **एक** - संख्यावाचक विशेषण, पुलिंग ,एकवचन, कर्ता कारक, 'आदमी' विशेष्य के लिए प्रयुक्त ।

सुनहरा-गुणवाचक विशेषण, पुलिंग , एकवचन, कर्म कारक 'भविष्य' विशेष्य के लिए प्रयुक्त ।

7) **राष्ट्र का** धन परिश्रमी **नागरिक** ही है।

उत्तर - राष्ट्र का-जातिवाचक संज्ञा पुलिंग एकवचन संबंध कारक धन से संबंधित।

नागरिक – जातिवाचक संज्ञा,,,बहुवचन, कर्ता कारक, 'है 'क्रिया का कर्ता।

8) मीनाक्षी यहाँ किसी **घर में रहती है**।

उत्तर -घर में -संज्ञा , जातिवाचक, पुलिंग ,एकवचन ,अधिकरण कारक ।

रहती है -क्रिया ,अकर्मक, 'रह' धातु, स्त्रीलिंग, एकवचन, अन्य पुरुष ,वर्तमान काल, कृत वाच्य, 'मीनाक्षी ' कर्ता की क्रिया।

9) नेताजी की उस मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगा था।

उत्तर – नेताजी की-व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन ,संबंध कारक, 'मूर्ति'से संबंधित ।

लगा था- क्रिया ,भूतकाल, पूर्ण भूत पुलिंग ,एकवचन, कर्तृवाच्य, कर्ता 'चश्मा' ।

10) यह साइकिल मेरे छोटे भाई की है इसलिए मैं तुम्हें नहीं दे सकता।

उत्तर - साइकिल -संज्ञा ,जातिवाचक ,स्त्रीलिंग, एकवचन , कर्ता कारक 'है' क्रिया का कर्ता ।

छोटे -विशेषण ,गुणवाचक ,एकवचन, पुलिंग,' भाई' विशेष्य।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से रेखांकित पदों के उत्तर लिखिए -

1) कितने **सुगंधित** पुष्प है।

उत्तर - सुगंधित--विशेषण, गुणवाचक ,बहुवचन ,पुलिंग,' पुष्प ' विशेष्य ।

2) दौड़कर जाओ और दवाई ले जाओ।

उत्तर - दौड़कर - रीतिवाचक क्रिया – विशेषण, 'जाओ ' क्रिया की विशेषता बता रहा है।

3) जितना भोजन आप करते हैं, उतना तो बच्चा खाता है।

उत्तर – जितना - सार्वनामिक विशेषण ,एकवचन,पुलिंग, 'भोजन ' विशेष्य।

4)जब **वे** घर पहुँचे ,मै सो गया था ।

उत्तर –वे - पुरुषवाचक सर्वनाम ,बहुवचन, पुलिंग, कर्ता कारक।

5) प्रत्येक का **अपना** महत्व होता है ।

उत्तर – अपना - विशेषण, सार्वनामिक, पुलिंग,एकवचन,' महत्व 'विशेष्य।

6) 'बाग में कुछ महिलाएँ **बैठी थी।**

उत्तर – बैठी थी -क्रिया, अकर्मक , बहुवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल।

7) प्रातःकाल घूमने जाया करो **ताकि** स्वास्थ ठीक रहे।

उत्तर – ताकि - समुच्चयबोधक अव्यय ।

8) जल्दी चलो ,ट्रेन आने ही वाली है।

उत्तर - जल्दी - क्रियाविशेषण , रीतिवाचक ,'चलो 'विशेष्य।

9) पानवाला **नया** पान खा रहा था ।

उत्तर – नया - विशेषण ,'गुणवाचक ,'पान 'विशेष्य,एकवचन,पुलिंग।

10) रोगी **धीरे – धीरे** चल रहा था।

उत्तर – धीरे – धीरे - रीतिवाचक क्रियाविशेषण,' चल रहा था ' क्रिया की विशेषता।

अलंकार (उपमा, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण, रूपक)

(1) उपमा अलंकार

काव्य में जब किसी प्रसिद्ध वस्तु या व्यक्ति की तुलना किसी अन्य वस्तु या व्यक्ति से उसके रूप, रंग, गुण या धर्म के आधार पर की जाती है, तब वहाँ उपमा अलंकार होता है। इसकी सबसे बड़ी पहचान वाक्य में आने वाले वाचक शब्द जैसे— सा, सी, से, सम, सरिस, सदृश, समान, जिमि, की तरह आदि हैं।

1. पीपर पात सरिस मन डोला।
2. हरिपद कोमल कमल से।
3. मुख मयंक सम मंजु मनोहर।
4. कर कमल-सा कोमल है।
5. नील गगन-सा शांत हृदय था सो रहा।

(2) उत्प्रेक्षा अलंकार

जब काव्य में उपमेय (जिसकी तुलना की जाए) में उपमान (जिससे तुलना की जाए) की संभावना या कल्पना प्रकट की जाती है, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है। इसकी मुख्य पहचान वाचक शब्द जैसे मानो, जानो, मनु, जनु, मनहुँ, जनहुँ, ज्यों आदि हैं।

1. सोहत ओढ़े पीत पट, स्याम सलोने गात।
मनहु नीलमणि सैल पर, आतप परयो प्रभात।।
2. उस काल मारे क्रोध के, तन काँपने उनका लगा।
मानो हवा के वेग से, सोता हुआ सागर जगा।
3. सिर फट गया उसका वहीं, मानो अरुण रंग का घड़ा हो।
4. कहती हुई यों उत्तरा के नेत्र जल से भर गए।
हिम के कणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।।
5. पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(3) अतिशयोक्ति अलंकार

जहाँ किसी वस्तु, व्यक्ति, कथन या स्थिति का वर्णन इतनी बढ़ा-चढ़ाकर किया जाए कि वह लोक-सीमा (सामान्य मर्यादा) का उल्लंघन करे, वहाँ अतिशयोक्ति अलंकार होता है।

1. पानी परात को हाथ छुओ नहीं, नैनन के जल सों पग धोए।
2. हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग,
लंका सगरी जल गई, गए निशाचर भाग।

3. राणा ने सोचा इस पार,
   तब तक चेतक था उस पार।
4. राणा प्रताप के घोड़े से पड़ गया हवा का पाला था।
5. धनुष उठाया ज्यों ही उसने, धरा-सिंधु-नभ काँपे सहसा।

(4) मानवीकरण अलंकार

जहाँ जड़ (निर्जीव) प्रकृति, प्राकृतिक उपादानों (जैसे मेघ, हवा, पेड़, नदियाँ) या अमूर्त भावों पर मानव की चेष्टाओं, भावनाओं या क्रियाकलापों का आरोप किया जाता है—अर्थात उन्हें मनुष्यों की तरह व्यवहार करते हुए दिखाया जाता है—वहाँ मानवीकरण अलंकार होता है।

1. मेघ आए बड़े बन-ठन के, सँवर के।
2. बीती विभावरी, जाग री!
3. अम्बर पनघट में डुबो रही तारा-घट उषा-नागरी।
4. कलियाँ दरवाज़े खोल-खोल झुरमुट में मुस्काती हैं।
5. बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की।

(5) रूपक अलंकार

रूपक अलंकार में जहाँ उपमेय (जिसकी तुलना की जा रही है) और उपमान (जिससे तुलना की जा रही है) में कोई भेद न रखकर दोनों को एक ही मान लिया जाता है, वहाँ रूपक अलंकार होता है।

1. चरण-कमल बंदौ हरि राई।
2. मैया मैं तो चंद्र-खिलौना लैहों।
3. पायो जी मैंने राम-रतन धन पायो।
4. मुख-चंद्र तुम्हारा देख सके।
5. अंबर-पनघट में डुबो रही तारा-घट ऊषा-नागरी।

अभ्यास

प्रश्न 1. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क) अलंकार से क्या तात्पर्य है ? इसका क्या महत्त्व है ?

वे शब्द जो काव्य की शोभा बढ़ाते हैं, उन्हें अलंकार कहते हैं।

महत्त्व – इससे काव्य में मधुरता, रोचकता, कलात्मकता और सुंदरता आ जाती है जिससे ये काव्य अधिक सुंदर और आकर्षक लगता है।

ख) तब तो बहता समय शिला-सा जम जाएगा। (अलंकार पहचानिए।)

उत्तर : उपमा अलंकार

ग) उपमा अलंकार के कितने अंग होते हैं ? उनके नाम लिखिए।

उत्तर : उपमा अलंकार के चार अंग होते हैं – उपमेय, उपमान, वाचक शब्द और साधारण धर्म

घ) फूलों की धड़कन में सुनती हूँ तुमको मैं। --- (अलंकार पहचानिए।)

उत्तर : मानवीकरण अलंकार

ङ) उत्प्रेक्षा अलंकार के वाचक शब्द लिखिए।

उत्तर : मनु, मानो, मनहु, जनु, जानो, ज्यों, आदि शब्द।

प्रश्न 2 – निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

क) मैया मैं तो चन्द्र-खिलौना लैहो। --- (अलंकार पहचानिए।)

उत्तर : रूपक अलंकार

ख) सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
(अलंकार पहचानिए।)

उत्तर : उपमा अलंकार

ग) बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहने पर कौन-सा अलंकार होता है ?

उत्तर : अतिशयोक्ति अलंकार

घ) उपमा और रूपक अलंकार में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर : उपमा अलंकार में सामान्य और प्रसिद्द वस्तु/व्यक्ति की तुलना की जाती है और रूपक अलंकार में उपमेय को उपमान ही मान लिया जाता है।

उदाहरण - मुख चंद्रमा के समान है। --- उपमा

मुख चन्द्रमा है। ---- रूपक

ङ) बेजान पर चेतना का आरोप किया जाता है, तब कौन-सा अलंकार होता है ?

उत्तर : मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 3. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क) उपमा अलंकार के वाचक शब्द लिखिए।

उत्तर : सा, सी, से, सम, समान, आदि।

ख) सिर फट गया उसका मानो अरुण रंग का घड़ा। --- (अलंकार पहचानिए।)

उत्तर : उत्प्रेक्षा अलंकार

ग) अतिशयोक्ति अलंकार का एक उदहारण लिखिए।

उत्तर : "हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग,
लंका सारी जल गई, गए निशाचर भाग।"

घ) अंबर पनघट में डुबो रही ताराघट उषा नागरी – किस अलंकार का प्रयोग है ?

उत्तर: रूपक अलंकार

ङ) मानवीकरण अलंकार का एक उदहारण लिखिए।

उत्तर : हे रजनी बाले, सजधजकर तुम कहाँ चली ?

प्रश्न 2. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क) वह दीपशिखा-सी शांत भाव में लीन | --- इस अलंकार में से उपमान लिखिए।

उत्तर : दीपशिखा

ख) वह टूटे तरु की छुटी लता-सी दीन। --- इस अलंकार में उपमेय चुनिए।

उत्तर : वह

ग) उत्प्रेक्षा अलंकार का एक उदहारण लिखिए।

उत्तर : कहती हुई यों उत्तरा के, नेत्र जल से भर गए।
हिम के कणों से पूर्ण, मानो हो गए पंकज नए।।

घ) जगी वनस्पतियाँ अलसाई, मुँह धोया शीतल जल से। --- अलंकार पहचानिए।

उत्तर : मानवीकरण अलंकार

ङ) **छुअत टूट रघुपतिहु न दोसु। ------- अलंकार पहचानिए।**

उत्तर : अतिशयोक्ति अलंकार

पाठ्यपुस्तक (क्षितिज भाग-2)

1 सूरदास के पद (सूरदास)

1 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दी गए प्रश्नों के उचित विकल्प का चयन कीजिए: (1x5=5)

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।।
प्रीति–नदी मैं पाउँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी||

1. 'ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी' कहकर गोपियाँ उद्धव को बड़भागी क्यों कहती हैं?
(क) क्योंकि वे कृष्ण के बहुत प्रिय मित्र हैं।
(ख) क्योंकि वे प्रेम के बंधन से मुक्त और विरक्त हैं।
(ग) क्योंकि उन्होंने कृष्ण को वृंदावन आने के लिए मना लिया है।
(घ) क्योंकि वे गोपियों की सहायता करना चाहते हैं।

उत्तर – (ख) क्योंकि वे कृष्ण के बहुत प्रिय मित्र हैं।

2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-
कथन (A): गोपियाँ उद्धव को प्रेम-विहीन और विरक्त मानती हैं।
कारण (R): वे उद्धव की तुलना जल में रहते हुए भी जल से अप्रभावित कमल-पत्र और तेल की गागर से करती हैं।
(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(घ) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

उत्तर – (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।

3. निम्नलिखित कथनों को पढ़कर सत्य/असत्य का सही विकल्प चुनिए-
I गोपियाँ उद्धव को प्रेम की पीड़ा से पूर्णतः परिचित मानती हैं।
II 'जल में तेल की गागर' का उदाहरण उद्धव के संसार में रहते हुए भी उससे निर्लिप्त रहने को दर्शाता है।
III गोपियाँ स्वयं को कृष्ण-प्रेम में पूरी तरह डूबी हुई मानती हैं।

(क) तीनों कथन सत्य हैं।
(ख) कथन I असत्य तथा कथन II और III सत्य हैं।
(ग) कथन I और III सत्य हैं तथा II असत्य है।
(घ) कथन I और II असत्य हैं तथा III सत्य है।
उत्तर – (ख) कथन I असत्य तथा कथन II और III सत्य हैं।

4. 'प्रीति-नदी मैं पाउँ न बोरयौ' पंक्ति में गोपियाँ किस भाव को व्यक्त करती हैं?
(क) कृष्ण के प्रति अपने गहरे और पूर्ण समर्पित प्रेम को
(ख) उद्धव के प्रति अपने क्रोध को
(ग) कृष्ण के प्रति अपने अविश्वास को
(घ) संसार के प्रति अपनी विरक्ति को

उत्तर – (क) कृष्ण के प्रति अपने गहरे और पूर्ण समर्पित प्रेम को

5. निम्नलिखित में से पद का सर्वाधिक उपयुक्त भाव क्या है?
(क) गोपियों का उद्धव के प्रति सम्मान और कृतज्ञता
(ख) गोपियों का कृष्ण-वियोग से उत्पन्न प्रेम, व्यथा और समर्पण
(ग) उद्धव का कृष्ण के प्रति सांसारिक मोह
(घ) गोपियों का संसार के प्रति मोहभंग

उत्तर – (ख) गोपियों का कृष्ण-वियोग से उत्पन्न प्रेम, व्यथा और समर्पण

2 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दी गए प्रश्नों के उचित विकल्प का चयन कीजिए: (1x5=5)
हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम बचन नंद – नंदन उर , यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस – निसि , कान्ह – कान्ह जक री।
सुनत जोग लागत है ऐसौ , ज्यौं करुई ककरी।
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए , देखी सुनी न करी।
यह तौ ' सूर ' तिनहिं लै सौंपौ , जिनके मन चकरी ॥

1 'मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी' पंक्ति से गोपियों की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है?
(क) वे श्रीकृष्ण के प्रति पूर्णतः समर्पित हैं।
(ख) वे योग-साधना में विश्वास करती हैं।
(ग) वे सांसारिक सुखों की इच्छा रखती हैं।
(घ) वे उद्धव से प्रभावित हो गई हैं।

उत्तर – (क) वे श्रीकृष्ण के प्रति पूर्णतः समर्पित हैं।

2 'जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी' के आधार पर गोपियों की मनःस्थिति क्या है?
(क) वे श्रीकृष्ण को केवल जागते समय याद करती हैं।
(ख) वे श्रीकृष्ण को दिन-रात और हर अवस्था में स्मरण करती हैं।
(ग) वे श्रीकृष्ण को भूलने का प्रयास करती हैं।
(घ) वे योग-साधना में लीन रहती हैं।

उत्तर – (ख) वे श्रीकृष्ण को दिन-रात और हर अवस्था में स्मरण करती हैं।

3 **कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-**
कथन (A): गोपियाँ योग-साधना के संदेश को स्वीकार नहीं करना चाहती हैं।
कारण (R): उनका मन, वचन और कर्म श्रीकृष्ण के प्रति पूर्णतः समर्पित है और वे दिन-रात उन्हीं का स्मरण करती हैं।
(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(घ) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

उत्तर – (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।

4 निम्नलिखित कथनों को पढ़कर सही विकल्प चुनिए-
I गोपियाँ श्रीकृष्ण को दिन-रात स्मरण करती हैं।
II गोपियों को योग का संदेश अत्यंत प्रिय और मधुर लगता है।
III गोपियाँ श्रीकृष्ण के प्रति मन, वचन और कर्म से समर्पित हैं।
(क) केवल I सत्य है।
(ख) केवल II सत्य है।
(ग) I और III सत्य हैं।
(घ) I, II और III सत्य हैं।

उत्तर – (ग) I और III सत्य हैं।

5 'हरि हारिल की लकरी' कहकर गोपियाँ श्रीकृष्ण के प्रति अपने संबंध को किस रूप में व्यक्त करती हैं?
(क) श्रीकृष्ण उनके जीवन के दृढ़ आधार हैं।
(ख) श्रीकृष्ण उनके लिए केवल मित्र हैं।
(ग) श्रीकृष्ण उनके गुरु हैं।
(घ) श्रीकृष्ण उनके लिए मनोरंजन का साधन हैं।

उत्तर – (क) श्रीकृष्ण उनके जीवन के दृढ़ आधार हैं।

दक्षता-आधारित लघुत्तरात्मक प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)

प्रश्न 1. गोपियाँ उद्धव के योग-संदेश को अपने लिए अनुपयोगी क्यों मानती हैं? उनके कथन से उनके प्रेम की कौन-सी विशेषता स्पष्ट होती है?

उत्तर: गोपियाँ कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम में डूबी हैं। उनके लिए कृष्ण का प्रेम ही जीवन का आधार है, इसलिए योग-साधना उन्हें निरर्थक और कठिन लगती है। इससे उनके एकनिष्ठ और गहन प्रेम की विशेषता स्पष्ट होती है।

प्रश्न 2. "हरि हैं राजनीति पढ़ि आए" कथन के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि गोपियाँ कृष्ण के व्यवहार को किस दृष्टि से देखती हैं।

उत्तर: गोपियाँ कृष्ण के मथुरा चले जाने और उनके स्थान पर उद्धव के माध्यम से योग-संदेश भेजने को छलपूर्ण व्यवहार मानती हैं। उन्हें लगता है कि कृष्ण ने प्रेम के स्थान पर राजनीतिक चतुराई और स्वार्थपूर्ण व्यवहार अपना लिया है।

प्रश्न 3. यदि आप गोपियों के स्थान पर होते और आपका प्रिय व्यक्ति दूर चला जाता, तो आप उसकी अनुपस्थिति का सामना कैसे करते? सूरदास के पदों के आधार पर उत्तर दीजिए।

उत्तर: मैं प्रिय की स्मृतियों को सकारात्मक रूप से संजोकर रखता और उससे संवाद बनाए रखने का प्रयास करता। गोपियों की तरह मैं भी प्रेम, विश्वास और आत्मीयता को संबंध की मजबूती का आधार मानता, लेकिन विरह में स्वयं को निराश नहीं होने देता।

प्रश्न 4. गोपियाँ उद्धव की तुलना कमल के पत्तों व तेल के मटके के साथ क्यों करती है?
उत्तर – गोपियाँ उद्धव की तुलना कमल के पत्तों व तेल के मटके के साथ करती हैं क्योंकि जिस प्रकार कमल का पत्ता हमेशा जल के अंदर ही रहते है, किन्तु उस पर जल के कारण कोई दाग दिखाई नहीं देता अर्थात वह जल के प्रभाव से अछूता रहता है। उसी तरह तेल से भरी हुई मटकी भी पानी के मध्य में रहने पर पानी के प्रभाव से अप्रभावित रहती है। कमाल के पत्ते और तेल लगी मटकी के समान उद्धव के ऊपर श्री कृष्ण के साथ रहने पर भी उनके प्रेम का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उद्धव ने कृष्ण के प्रेम-रूपी नदी में कभी पाँव नहीं रखा और न ही कभी उनके रूप-सौंदर्य पर मुग्ध हुए।

प्रश्न 5. सूरदास ने गोपियों के माध्यम से प्रेम और ज्ञान/योग में किस प्रकार का अंतर प्रस्तुत किया है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: पदों में प्रेम को सहज, आत्मीय और भावनात्मक अनुभव के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जबकि उद्धव का ज्ञान और योग गोपियों को नीरस तथा व्यवहार से दूर लगता है। गोपियों के लिए कृष्ण-प्रेम इतना गहरा है कि वे किसी योग-साधना को उसकी तुलना में स्वीकार नहीं करतीं।

पाठ 2 : राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद (तुलसीदास)

1 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (1x5=5)
नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा।।
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने।।
बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं।।
येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू।।
रे नृपबालक कालबस बोलत तोहि न सँभार।
धनुही सम त्रिपुरारिधनु बिदित सकल संसार।|

1. "सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।" परशुराम के इस कथन से उनके व्यक्तित्व की कौन-सी विशेषता सबसे अधिक स्पष्ट होती है?
(क) विनम्रता और सहनशीलता।

(ख) स्वाभिमान और उग्रता।
(ग) हास्यप्रियता और सरलता।
(घ) करुणा और दयालुता।

उत्तर - (ख) स्वाभिमान और उग्रता।

प्रश्न 2. लक्ष्मण के मुस्कुराने और व्यंग्यपूर्ण उत्तर देने से उनके चरित्र की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है?
(क) भय और संकोच।
(ख) विनम्रता और मौन।
(ग) निर्भीकता और वाक्चातुर्य।
(घ) क्रोध और असहायता।

उत्तर - (ग) (ग) निर्भीकता और वाक्चातुर्य।

प्रश्न 3. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-
कथन (A): परशुराम लक्ष्मण के उत्तरों से अत्यंत क्रोधित हो उठते हैं।
कारण (R): लक्ष्मण परशुराम की बातों का सीधे और व्यंग्यपूर्ण ढंग से प्रत्युत्तर देते हैं।
सही विकल्प चुनिए—
(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।
(घ) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

उत्तर - (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।

प्रश्न 4. पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों को पढ़कर सही विकल्प चुनिए-
I परशुराम शिवधनुष को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते हैं।
II लक्ष्मण परशुराम के क्रोध से भयभीत होकर चुप हो जाते हैं।
III परशुराम राम को अपना शत्रु सहस्रबाहु के समान मानते हैं।
IV लक्ष्मण बचपन में अनेक धनुष तोड़ने की बात कहते हैं।
(क) I और II सत्य हैं, II और IV असत्य हैं।
(ख) I और IV सत्य हैं, II और III असत्य हैं।
(ग) I, III और IV सत्य हैं, II असत्य है।
(घ) I, II, III और IV सभी सत्य हैं।

उत्तर - (ग) I, III और IV सत्य हैं, II असत्य है।

प्रश्न 5. यदि इस संवाद को आज की परिस्थिति में "असहमति के बावजूद संवाद" के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करना हो, तो निम्नलिखित में से कौन-सा निष्कर्ष सबसे उपयुक्त होगा?
(क) असहमति होने पर बातचीत तुरंत समाप्त कर देनी चाहिए।
(ख) अपनी बात रखने के लिए दूसरे का अपमान करना आवश्यक है।

(ग) तीव्र मतभेदों के बीच भी तर्क, आत्मविश्वास और संवाद महत्त्वपूर्ण हैं।
(घ) शक्तिशाली व्यक्ति की बात को बिना प्रश्न किए स्वीकार कर लेना चाहिए।

उत्तर - (ग) तीव्र मतभेदों के बीच भी तर्क, आत्मविश्वास और संवाद महत्त्वपूर्ण हैं।

2 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (1x5=5)

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।
मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर।
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर।।

1. “छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।” - लक्ष्मण के इस कथन का आशय क्या है?
(क) राम ने जान-बूझकर शिवधनुष तोड़ा था।
(ख) धनुष के टूटने में राम का कोई दोष नहीं था, इसलिए परशुराम का क्रोधित होना उचित नहीं है।
(ग) परशुराम को धनुष की चिंता नहीं करनी चाहिए।
(घ) लक्ष्मण राम को परशुराम से क्षमा माँगने के लिए कहते हैं।

उत्तर - (ख) धनुष के टूटने में राम का कोई दोष नहीं था, इसलिए परशुराम का क्रोधित होना उचित नहीं है।

2. परशुराम अपने पूर्व कार्यों का उल्लेख करके अपने व्यक्तित्व को किस रूप में प्रस्तुत करते हैं?
(क) दयालु और शांत योद्धा के रूप में।
(ख) विनम्र और सहनशील ऋषि के रूप में।
(ग) अत्यंत शक्तिशाली, क्रोधी और क्षत्रिय-विरोधी योद्धा के रूप में।
(घ) हास्यप्रिय और सरल व्यक्ति के रूप में।

उत्तर - (ग) अत्यंत शक्तिशाली, क्रोधी और क्षत्रिय-विरोधी योद्धा के रूप में।

3. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-
कथन (A): लक्ष्मण परशुराम के क्रोध से भयभीत होने के बजाय उनसे तर्क करते हैं।
कारण (R): लक्ष्मण निर्भीक हैं और उन्हें लगता है कि शिवधनुष का टूटना राम का जान-बूझकर किया हुआ अपराध नहीं है।
सही विकल्प चुनिए

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।

(घ) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

उत्तर - (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।

4. पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
I लक्ष्मण के अनुसार राम ने जान-बूझकर शिवधनुष नहीं तोड़ा।
II परशुराम स्वयं को बाल ब्रह्मचारी और अत्यंत क्रोधी बताते हैं।
III. परशुराम ने सहस्रबाहु की भुजाओं को काटने का उल्लेख किया है।
IV परशुराम लक्ष्मण को अपने परशु की शक्ति से परिचित कराने के लिए उसे देखने को कहते हैं।
सही विकल्प चुनिए—
(क) केवल I और II सत्य हैं।
(ख) केवल II और III सत्य हैं।
(ग) I, II और III सत्य हैं, IV असत्य है।
(घ) I, II, III और IV सभी सत्य हैं।

उत्तर - (घ) I, II, III और IV सभी सत्य हैं।

5.यदि इस प्रसंग को "विपरीत परिस्थितियों में आत्मविश्वास" के उदाहरण के रूप में देखा जाए, तो लक्ष्मण के व्यवहार से कौन-सी सीख सबसे उपयुक्त है?
(क) क्रोधित व्यक्ति के सामने हमेशा मौन रहना चाहिए।
(ख) कठिन परिस्थिति में भी तर्क और आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखनी चाहिए।
(ग) अपनी शक्ति का प्रदर्शन करके ही विवाद समाप्त किया जा सकता है।
(घ) किसी भी विवाद में सामने वाले की बात को बिना तर्क स्वीकार कर लेना चाहिए।

उत्तर - (ख) कठिन परिस्थिति में भी तर्क और आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखनी चाहिए।

दक्षता-आधारित लघुत्तरात्मक प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)

प्रश्न 1. लक्ष्मण के व्यंग्यपूर्ण उत्तरों से उनके व्यक्तित्व की कौन-कौन-सी विशेषताएँ सामने आती हैं?

उत्तर: लक्ष्मण के उत्तरों से उनकी निर्भीकता, तर्कशीलता, वाक्पटुता और तीव्र बुद्धि का परिचय मिलता है। वे परशुराम के क्रोध से भयभीत होने के बजाय तर्क और व्यंग्य के माध्यम से उनका सामना करते हैं।

प्रश्न 2. परशुराम के क्रोध के सामने राम का व्यवहार लक्ष्मण से किस प्रकार भिन्न है? इससे राम के व्यक्तित्व की कौन-सी विशेषता स्पष्ट होती है?

उत्तर: लक्ष्मण परशुराम के साथ व्यंग्य और तर्क से बात करते हैं, जबकि राम विनम्रता, शालीनता और संयम से उनका क्रोध शांत करने का प्रयास करते हैं। इससे राम की मर्यादित और संतुलित व्यक्तित्व की विशेषता स्पष्ट होती है।

प्रश्न 3. परशुराम के क्रोध का सामना राम और लक्ष्मण दोनों ने अलग-अलग ढंग से किया? दोनों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: राम विनम्र एवं मर्यादित चरित्र हैं। उन्होंने परशुराम के क्रोधपूर्ण वचनों का उत्तर संयम, विनम्रता और मर्यादा से दिया। उन्होंने शांत स्वर में स्वयं को परशुराम का दास कहकर उनके क्रोध को शांत करने का प्रयास किया।
जबकि इसके विपरीत लक्ष्मण ने व्यंग्य और वीरता भरे वचनों से परशुराम को उत्तर दिया। वे शिव धनुष टूटने को बचपन की साधारण घटना के समान बताते हैं और परशुराम की वीरता के बखान पर व्यंग्य करते हैं। इस प्रकार राम की विनयशीलता और लक्ष्मण की निर्भीकता दोनों के स्वभाव का अंतर स्पष्ट दिखाई देता है।

प्रश्न 4. लक्ष्मण ने परशुराम के क्रोध को अनुचित क्यों बताया? उनके कथन के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: लक्ष्मण के अनुसार शिवधनुष राम ने जान-बूझकर नहीं तोड़ा था, बल्कि उनके छूते ही वह टूट गया। लक्ष्मण ने शिव धनुष को पुराना बताते हुए भंजन को हानि-लाभ से परे बताया। इसलिए इस घटना के लिए राम को दोषी ठहराकर परशुराम का क्रोधित होना अनुचित था।

प्रश्न 5. परशुराम ने अपने किन कार्यों का उल्लेख करके लक्ष्मण को अपनी शक्ति और पराक्रम का परिचय दिया?

उत्तर: परशुराम ने बताया कि उन्होंने अपनी भुजाओं के बल से पृथ्वी को अनेक बार क्षत्रियों से विहीन किया और सहस्रबाहु की भुजाओं का भी छेदन किया। इन उदाहरणों से उन्होंने अपने अपार पराक्रम और युद्ध-कौशल का परिचय दिया।

आत्मकथ्य (जयशंकर प्रसाद)

नीचे लिखे काव्यांश पर आधारित बहुविल्पीय प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए - 1X5=5

मधुप गुन – गुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी ,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी ।
इस गंभीर अनंत – नीलिमा में असंख्य जीवन – इतिहास
यह लो , करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य – मलिन उपहास
तब भी कहते हो – कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती ।
तुम सुनकर सुख पाओगे , देखोगे – यह गागर रीती ।
किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले –
अपने को समझो , मेरा रस ले अपनी भरने वाले ।

प्रश्न 1. 'मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ' के माध्यम से कवि मुख्यतः किस भाव को व्यक्त करता है?
(क) प्रकृति की सुंदरता
(ख) जीवन की क्षणभंगुरता और परिवर्तनशीलता
(ग) वसंत ऋतु का आगमन
(घ) मनुष्य की विजय
उत्तर: (ख) जीवन की क्षणभंगुरता और परिवर्तनशीलता

प्रश्न 2 . "देखोगे-यह गागर रीती" में *'गागर रीती'* किसका प्रतीक है? /
(क) कवि के जीवन की समृद्धि का
(ख) कवि के जीवन की रिक्तता और पीड़ा का

(ग) प्रकृति की सुंदरता का
(घ) संसार की विशालता का
उत्तर: (ख) कवि के जीवन की रिक्तता और पीड़ा का

प्रश्न 3-निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उसमें प्रयुक्त अलंकार पहचानिए—
"मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ, देखो कितनी आज घनी।"
उपरोक्त पंक्ति में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?
(क) उपमा अलंकार
(ख) मानवीकरण अलंकार
(ग) अनुप्रास अलंकार
(घ) यमक अलंकार
उत्तर – (ख) मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 4 . 'आत्मकथ्य' कविता का मुख्य केंद्रीय भाव क्या है?
(क) कवि के जीवन की सफलताओं का वर्णन
(ख) कवि की व्यक्तिगत पीड़ा, संघर्ष और आत्मकथा लिखने के प्रति संकोच
(ग) प्रकृति के सौंदर्य का चित्रण
(घ) समाज में परिवर्तन का आह्वान
उत्तर – (ख) कवि की व्यक्तिगत पीड़ा, संघर्ष और आत्मकथा लिखने के प्रति संकोच

प्रश्न 5. कथन–कारण
कथन (A): कवि अपनी आत्मकथा लिखने से बचना चाहता है।
कारण (R): कवि को लगता है कि उसके जीवन की व्यक्तिगत पीड़ा और दुखों को सार्वजनिक करना उचित नहीं है।
कूट के आधार पर सही विकल्प चुनिए-
(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(ग) A सही है, किंतु R गलत है।
(घ) A गलत है, किंतु R सही है।
उत्तर – (क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

दक्षता आधारित लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है ? इससे उनके व्यक्तित्व की कौन-सी विशेषताएं प्रकट होती है?
उत्तर: कवि अपने जीवन के सुख-दुःख और निजी अनुभवों को सार्वजनिक नहीं करना चाहता। उसे लगता है कि जीवन की निजी पीड़ाओं को सबके सामने रखना उचित नहीं है, क्योकि इससे पाठक को भी दुःख हो सकता है । इससे उसकी संकोची, आत्मसम्मानी और संवेदनशील प्रवृत्ति प्रकट होती है

प्रश्न 2. 'आत्मकथ्य' कविता में कवि ने अपने अतीत को किस रूप में देखा है? इससे हमें जीवन के प्रति क्या सीख मिलती है?
उत्तर: कवि ने अपने अतीत को सुख-दुःख से भरे अनुभवों के रूप में देखा है। वह बीती हुई स्मृतियों में उलझने के बजाय वर्तमान में जीने और आगे बढ़ने की भावना रखता है। इससे यह सीख मिलती है कि अतीत से सीख लेकर हमें निरंतर आगे बढ़ना चाहिए ।

प्रश्न 3. यदि कोई व्यक्ति अपने जीवन के सभी निजी अनुभवों को सार्वजनिक कर दे, तो उसके सामने कौन-कौन-सी कठिनाइयाँ आ सकती हैं? 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए।

उत्तर: निजी अनुभवों को सार्वजनिक करने से व्यक्ति की भावनाएँ दूसरों के सामने उजागर हो सकती हैं और उसकी निजी पीड़ा चर्चा का विषय बन सकती है। कवि इसी कारण आत्मकथा लिखने से संकोच करता है। इसलिए व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते समय विवेक और आत्मसम्मान का ध्यान रखना चाहिए।

प्रश्न 4. "स्मृति को पाथेय बनाकर जीवन-पथ पर आगे बढ़ना" — इस भाव को अपने शब्दों में समझाइए।

उत्तर: इसका आशय है कि मनुष्य अपने पुराने अनुभवों और स्मृतियों से सीख लेकर उन्हें जीवन की यात्रा में मार्गदर्शक बनाए। उसे अतीत में फँसे रहने के बजाय उससे प्रेरणा लेकर भविष्य की ओर बढ़ना चाहिए। यह भाव अनुभवों से सीखने और सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

प्रश्न 5. 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर बताइए कि कवि के लिए व्यक्तिगत जीवन और साहित्यिक अभिव्यक्ति में क्या अंतर है?

उत्तर: कवि मानता है कि साहित्य में भावनाओं की अभिव्यक्ति आवश्यक है, लेकिन अपने निजी जीवन के सभी रहस्यों और पीड़ाओं को सार्वजनिक करना आवश्यक नहीं। वह अपनी रचनात्मक अनुभूतियों को व्यक्त करता है, परंतु व्यक्तिगत जीवन की गोपनीयता बनाए रखना चाहता है। इससे उसकी संवेदनशीलता, आत्मसंयम और निजता के प्रति सम्मान प्रकट होता है।

उत्साह, अट नहीं रही है (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला')

उत्साह -सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

नीचे लिखे काव्यांश पर आधारित बहुविल्पीय प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए - 1X5=5

बादल , गरजो !
घेर घेर घोर गगन , धाराधर ओ !
ललित ललित , काले घुंघराले ,
बाल कल्पना के – से पाले ,
विद्युत छबि उर में , कवि नवजीवन वाले !
वज्र छिपा , नूतन कविता
फिर भर दो –
बादल गरजो !

प्रश्न 1. कथन–कारण आधारित (1 अंक)
कथन (A): कवि बादलों को बार-बार गरजने के लिए पुकारता है।
कारण (R): कवि बादलों के माध्यम से नई ऊर्जा और नवजीवन का संचार करना चाहता है।
सही विकल्प चुनिए—
(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(ख) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(ग) A सही है, लेकिन R गलत है।
(घ) A गलत है, लेकिन R सही है।
उत्तर: (क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

प्रश्न 2. सत्य/असत्य आधारित (1 अंक)
"कवि ने बादलों के काले-घुँघराले रूप की तुलना बालकों की कल्पना से की है।"
(क) सत्य
(ख) असत्य
(ग) आंशिक रूप से सत्य
(घ) निश्चित नहीं कहा जा सकता
उत्तर: (क) सत्य

प्रश्न 3. सत्य/असत्य आधारित (1 अंक)
"पद्यांश में बादल केवल वर्षा के साधन हैं और कवि ने उन्हें किसी प्रतीक के रूप में प्रस्तुत नहीं किया है।"
(क) सत्य
(ख) असत्य
(ग) दोनों सत्य और असत्य
(घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर: (ख) असत्य

प्रश्न 4. पंक्ति का भावार्थ आधारित (1 अंक)
"वज्र छिपा, नूतन कविता / फिर भर दो—बादल, गरजो!"

इन पंक्तियों का उचित भावार्थ क्या है?
(क) कवि बादलों से शांत होकर आकाश में रहने का आग्रह करता है।
(ख) कवि बादलों से अपनी शक्ति के द्वारा नई चेतना और सृजन का संचार करने की प्रार्थना करता है।
(ग) कवि बादलों से वर्षा रोकने का अनुरोध करता है।
(घ) कवि बादलों से आकाश को सुंदर बनाने के लिए कहता है।
उत्तर: (ख) (ख) कवि बादलों से अपनी शक्ति के द्वारा नई चेतना और सृजन का संचार करने की प्रार्थना करता है।

प्रश्न 5. पद्यांश में बादल मुख्य रूप से किस भावना के प्रतीक के रूप में उभरते हैं? (1 अंक)
(क) भय और निराशा
(ख) आलस्य और निष्क्रियता
(ग) शक्ति, नवजीवन और नई चेतना
(घ) अकेलापन और दुख
उत्तर: (ग) शक्ति, नवजीवन और नई चेतना

दक्षता आधारित लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. कवि बादल से गरजने का आग्रह क्यों करता है?
उत्तर: कवि बादल से गरजने का आग्रह इसलिए करता है क्योंकि उसकी गर्जना निराश और व्याकुल लोगों के मन में उत्साह, ऊर्जा और नई आशा का संचार करती है। बादल यहाँ परिवर्तन और जागृति का प्रतीक है।

प्रश्न 2. कविता में बादल किसका प्रतीक है?
उत्तर: कविता में बादल नवजीवन, उत्साह, आशा और क्रांति का प्रतीक है। कवि चाहता है कि बादल अपनी गर्जना और वर्षा से दुखी लोगों को राहत दे तथा उनके जीवन में नई ऊर्जा और उमंग भर दे।

प्रश्न 3. कवि ने बादलों की सुंदरता का वर्णन किस प्रकार किया है?
उत्तर: कवि ने बादलों को काले और घुँघराले बालों के समान सुंदर बताया है। वे पूरे आकाश को घेर लेते हैं। उनकी चमकती बिजली और विशाल रूप प्रकृति की सुंदरता तथा शक्ति को प्रकट करते हैं।

प्रश्न 4. "शीतल जल बरसा दो" पंक्ति का क्या आशय है?
उत्तर: इस पंक्ति में कवि बादल से वर्षा करने की प्रार्थना करता है। शीतल जल गर्मी से परेशान लोगों को राहत देगा। प्रतीकात्मक रूप से यह वर्षा दुख, निराशा और बेचैनी को दूर करके नवजीवन देती है।

प्रश्न 5. "उत्साह" कविता का मुख्य संदेश क्या है?
उत्तर: "उत्साह" कविता का मुख्य संदेश है कि निराशा और कठिन परिस्थितियों के बीच भी आशा, ऊर्जा और परिवर्तन की भावना बनाए रखनी चाहिए। कवि प्रकृति के माध्यम से मनुष्य में नए उत्साह और जागृति का संचार करना चाहता है।

प्रश्न 6 कविता में बादल किन किन अर्थों की ओर संकेत करता है?
उत्तर: कविता में बादल निम्न अर्थों की ओर संकेत करता है।
1.जल बरसाने वाली शक्ति है।
2. बादल पीड़ित प्यासे लोगों की आकांक्षा को पूरा करने वाला है।
3. बादल कवि में उत्साह और संघर्ष भर कविता में नया जीवन लाने में सक्रिय है।

प्रश्न 7. आपके विचार से उत्साह कविता का संदेश आज के जीवन में किस प्रकार उपयोगी है?
उत्तर: कवि ने बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के लिए नहीं, बल्कि गरजने के लिए कहा है, क्योंकि गरजना विद्रोह का प्रतीक है कवि ने बादल के गरजने के माध्यम से कविता में नूतन विद्रोह का आह्वान किया है।

प्रश्न 8. उत्साह, कविता आज के विद्यार्थियों के लिए किस प्रकार प्रेरणादायक है?
उत्तर: यह कविता आज के विद्यार्थियों के लिए कठिन परिस्थितियों में निराश न होकर उत्साह और आत्म विश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

प्रश्न 9 कविता में बादलों का कौन सा रुप कवि को अधिक आकर्षित करता है और क्यों?
उत्तर: बादलों का गर्जन और वर्षा करने वाला रूप कवि को आकर्षित करता है क्योंकि वह प्रकृति में परिवर्तन और जीवन का संदेश देता है।

प्रश्न 10. कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा गया है?उत्तर: यह एक आह्वान गीत है। कवि क्रांति लाने के लिए लोगों को उत्साहित करना चाहते हैं। बादल का गरजना लोगों के मन में उत्साह भरता है इसलिए कविता का शीर्षक उत्साह रखा गया है।

अट नहीं रही है-सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

प्रश्नः नीचे लिखे काव्यांश पर आधारित बहुविल्पीय प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए 1X5=5

अट नहीं रही है
आभा फागुन की तन सट नहीं रही है।
कहीं साँस लेते हो, घर-घर भर देते हो,
उड़ने को नभ में तुम पर-पर कर देते हो,
आँख हटाता हूँ तो हट नहीं रही है।
पत्तों से लदी डाल, कहीं हरी,कहीं लाल
कहीं पड़ी है उर में, मंद-गंध-पुष्प-माल,
पाट-पाट शोभा-श्री पट नहीं रही है।

प्रश्न.1. कवि के अनुसार फागुन की आभा कैसी है?

(क) शांत और स्थिर
(ख) रुकने का नाम नहीं ले रही
(ग) उदास और नीरस
(घ) अंधकारमय

उत्तर – (ख) रुकने का नाम नहीं ले रही

प्रश्न.2. फागुन की सुंदरता कवि को किस प्रकार प्रभावित कर रही है?

(क) वह उससे दूर जाना चाहता है।
(ख) वह उसकी सुंदरता से मोहित हो रहा है।
(ग) उसे फागुन अच्छा नहीं लगता।
(घ) वह प्रकृति से भयभीत है।

उत्तर – (ख) वह उसकी सुंदरता से मोहित हो रहा है।

प्रश्न.3. "घर-घर भर देते हो" में 'तुम' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(क) वर्षा
(ख) वसंत
(ग) फागुन की सुंदरता/प्रकृति
(घ) बादल

उत्तर – (ग) फागुन की सुंदरता/प्रकृति

प्रश्न.4. कारण-कथन (Assertion–Reason)

कथन (A): फागुन की सुंदरता चारों ओर व्याप्त हो गई है।
कारण (R): पेड़ों पर पत्ते और फूलों की भरमार है तथा मंद सुगंध वातावरण में फैल रही है।
(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(ग) A सही है, लेकिन R गलत है।
(घ) A गलत है, लेकिन R सही है।

उत्तर – (क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

प्रश्न.5. कथन (अ)"मंद-गंध-पुष्प-माल" से प्राकृतिक सौंदर्य का बोध होता है।
कथन (ब)``अट नहीं रही है"कविता के कवि निराला जी हैं।
कथन (स) कविता में बारिश के मौसम का वर्णन है।
ऊपर लिखी हुई पंक्तियों में कौन सा/से कथन सही हैं-

(क) कथन अ सही है

(ख) कथन ब सही है

(ग) कथन अ और ब दोनों सही हैं

(घ) कथन अ,ब और स तीनों गलत हैं

उत्तर – (ग) कथन अ और ब दोनों सही हैं

दक्षता आधारित लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न1. कवि को फागुन की सुंदरता को शब्दों में बाँधना कठिन क्यों लगता है?
उत्तर: फागुन का सौंदर्य अत्यंत व्यापक और विविध रूपों वाला है। पेड़-पौधों, फूलों, पत्तियों, सुगंध और वातावरण में उसका प्रभाव दिखाई देता है। इतने व्यापक अनुभव को सीमित शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना कठिन है।

प्रश्न2. कवि को फागुन की सुंदरता को शब्दों में बाँधना कठिन क्यों लगता है?
उत्तर: फागुन का सौंदर्य अत्यंत व्यापक और विविध रूपों वाला है। पेड़-पौधों, फूलों, पत्तियों, सुगंध और वातावरण में उसका प्रभाव दिखाई देता है। इतने व्यापक अनुभव को सीमित शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना कठिन है।

प्रश्न3. कविता पढ़कर आप फागुन के प्रति कवि के दृष्टिकोण के बारे में क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं?
उत्तर: कवि फागुन को आनंद, उल्लास और जीवन की ऊर्जा से भरी ऋतु मानता है। वह प्रकृति के छोटे-छोटे परिवर्तनों को भी गहराई से अनुभव करता है और उसके सौंदर्य में स्वयं को डूबा हुआ महसूस करता है।

प्रश्न4. वर्तमान समय में प्रकृति से दूर होते जा रहे मनुष्य के लिए यह कविता क्या संदेश देती है?
उत्तर: कविता हमें प्रकृति को केवल उपयोग की वस्तु न मानकर उसके सौंदर्य और संवेदना को अनुभव करने की प्रेरणा देती है। प्रकृति के निकट रहने से मनुष्य के जीवन में आनंद, शांति और संवेदनशीलता बढ़ती है।

प्रश्न5. कविता में प्रकृति का सौंदर्य कवि के मन पर किस प्रकार प्रभाव डालता है?
उत्तर: फागुन का सौंदर्य कवि के मन को आनंद, उत्साह और मस्ती से भर देता है। वह प्रकृति के सौंदर्य में इतना डूब जाता है कि उसे शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना कठिन हो जाता है।

यह दंतुरित मुस्कान– नागार्जुन

नीचे लिखे काव्यांश पर आधारित बहुविल्पीय प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए - 1X5=5

तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात...
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल
बाँस था कि बबूल?
तुम मुझे पाए नहीं पहचान?
देखते ही रहोगे अनिमेष!
थक गए हो? आँख लूँ मैं फेर ?

प्रश्न 1. "तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान / मृतक में भी डाल देगी जान" पंक्तियों में 'दंतुरित मुस्कान' की क्या विशेषता बताई गई है?

(क) यह केवल सुंदरता का प्रतीक है।
(ख) यह निराश और निष्प्राण व्यक्ति में भी जीवन एवं उत्साह भर सकती है।
(ग) यह केवल कवि को प्रसन्न करती है।
(घ) यह बच्चे की चंचलता को प्रकट करती है।

उत्तर: (ख) यह निराश और निष्प्राण व्यक्ति में भी जीवन एवं उत्साह भर सकती है।

प्रश्न 2. "धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात" के संदर्भ में कवि बच्चे की किन विशेषताओं से प्रभावित है?

(क) उसकी सादगी और स्वाभाविकता से
(ख) उसके आभूषणों और सुंदर वस्त्रों से
(ग) उसके गंभीर स्वभाव से
(घ) उसके शारीरिक बल से

उत्तर: (क) उसकी सादगी और स्वाभाविकता स

प्रश्न 3. "परस पाकर तुम्हारा ही प्राण, / पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण" में 'कठिन पाषाण' किस भाव का संकेत देता है?

(क) कठोर और संवेदनहीन मन का
(ख) प्राकृतिक सौंदर्य का
(ग) बच्चे की शारीरिक शक्ति का
(घ) कवि के घर की मजबूती का

उत्तर: (क) कठोर और संवेदनहीन मन का

प्रश्न 4. कथन–कारण

कथन: कवि बच्चे की मुस्कान और स्पर्श को जीवनदायी तथा परिवर्तनकारी मानता है।
कारण: बच्चे की सहज मुस्कान और मासूम उपस्थिति कठोर एवं निराश मन में भी संवेदना, प्रसन्नता और जीवन का संचार कर सकती है।

(क) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(ख) कथन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता।
(ग) कथन सही है, लेकिन कारण गलत है।
(घ) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।
उत्तर: (क) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

प्रश्न 5. "तुम मुझे पाए नहीं पहचान? / देखते ही रहोगे अनिमेष!" पंक्तियों से कवि और बच्चे के संबंध के बारे में क्या निष्कर्ष निकलता है?
(क) बच्चा कवि से भयभीत है।
(ख) कवि बच्चे से नाराज़ है।
(ग) लंबे समय बाद बच्चे को देखकर कवि के मन में आत्मीयता और भावुकता उत्पन्न हुई है।
(घ) कवि बच्चे की उपेक्षा करना चाहता है।
उत्तर: (ग) लंबे समय बाद बच्चे को देखकर कवि के मन में आत्मीयता और भावुकता उत्पन्न हुई है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 : "छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात।" कवि नागार्जुन ने इस पंक्ति के माध्यम से बच्चे की उपस्थिति और उसकी दंतुरित मुसकान का क्या प्रभाव व्यक्त किया है? इसका प्रतीकात्मक अर्थ स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: कवि ने यहाँ 'जलजात' (कमल) को निष्छलता और सुंदरता का प्रतीक माना है। प्रतीकात्मक रूप से, कवि यह दर्शाना चाहते हैं कि अभावग्रस्त और उदास झोंपड़ी (जीवन) में एक छोटे शिशु का आगमन और उसकी दंतुरित मुसकान विपदाओं के बीच भी असीम आनंद और जीवन-ऊर्जा भर देती है। जैसे कमल तालाब की गंदगी में खिलकर उसे मनोरम बना देता है, वैसे ही शिशु की मुसकान नीरस एवं कठिन परिस्थितियों में भी जीवन की नई उमंग भर देती है।

प्रश्न 2 : "परस पाकर तुम्हारा ही प्राण, पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण" कविता की इन पंक्तियों के आलोक में स्पष्ट कीजिए कि बच्चों की सहज मुसकान मानव स्वभाव के कठोरपन को किस प्रकार परिवर्तित करने में सक्षम है?
उत्तर: बच्चे की मुसकान में कोई छलावा, स्वार्थ या बनावट नहीं होती। उसकी मुसकान पूरी तरह निश्छल और स्वाभाविक होती है। यह पंक्ति दर्शाती है कि वात्सल्य और प्रेम की भावना इतनी सशक्त होती है कि वह किसी भी व्यक्ति के हृदय की कठोरता, तनाव, निराशा और कटुता को समाप्त कर सकती है। जिस प्रकार ठोस पत्थर पिघलकर जल बन जाता है, उसी प्रकार एक अबोध शिशु का स्पर्श और उसकी दंतुरित मुसकान पाषाण-हृदय व्यक्ति को भी संवेदनशील और भावुक बना देती है।

प्रश्न 3 : कवि ने बच्चे के लालन-पालन और उसकी मुसकान के पीछे माँ की भूमिका को 'धन्य' कहा है। 'मधुपर्क' के संदर्भ में माँ और शिशु के आत्मिक संबंध के महत्व पर प्रकाश डालिए।
उत्तर: कविता में 'मधुपर्क' (पंचामृत) माँ के उस असीम वात्सल्य, पोषण और आत्मीयता का प्रतीक है जो वह अप बच्चे को प्रदान करती है। कवि स्वयं को 'चिर प्रवासी' और आगत (अतिथि) मानकर स्वीकार करता है कि बच्चे का प्रथम परिचय और लगाव माँ के कारण ही संभव हुआ है। माँ केवल शिशु का शारीरिक पोषण ही नहीं करती, बल्कि उसमें जीवन-रस और संस्कारों का सिंचन भी करती है, जिससे शिशु की मुसकान में जीवनदायी सम्मोहन उत्पन्न होता है।

प्रश्न 4 : "बाँस था कि बबूल? छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल" इस पंक्ति में निहित 'बाँस' व 'बबूल' तथा 'शेफालिका के फूल' के बिंब विधान का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए।
उत्तर: कवि ने 'बाँस' और 'बबूल' को शुष्क, नीरस, नीरसता और कटु स्वभाव वाले व्यक्तित्व के प्रतीक रूप में प्रस्तुत किया है। इसके विपरीत, 'शेफालिका के फूल' को कोमलता, आत्मीयता और आनंद के प्रतीक के रूप में दर्शाया गया है। कवि का तात्पर्य यह है कि नीरस, कटु या कठोर स्वभाव वाला व्यक्ति (बाँस/बबूल) भी जब किसी मासूम

शिशु के संपर्क में आता है, तो उसका अंतर्मन आनंद और कोमल भावनाओं (शेफालिका के फूल) से सराबोर हो उठता है।

प्रश्न 5 : "देखते तुम इधर कनखी मार, और होतीं जब कि आँखें चार..." परिचित न होने की स्थिति में शिशु का 'कनखी मारना' और फिर 'आँखें चार होना' बाल-मनोविज्ञान के किस पहलू को उजागर करता है?

उत्तर: यह पंक्ति बाल-मनोविज्ञान के उस सहज व्यवहार को उजागर करती है जहाँ एक छोटा बच्चा किसी अनजान व्यक्ति से पहली बार मिलने पर संकोच और उत्सुकता दोनों का एक साथ अनुभव करता है। प्रारंभ में शिशु सीधे न देखकर तिरछी नज़र (कनखी) से अजनबी को परखता है। जब दोनों की आँखें मिलती हैं (आँखें चार होना) और अजनबी के चेहरे पर स्नेह भाव दिखता है, तो बच्चे का संकोच दूर हो जाता है और वह अपनी सुंदर दंतुरित मुसकान बिखेर देता है। यह प्रक्रिया शिशु के सुरक्षा-बोध और स्वाभाविक सामाजिक जुड़ाव को दर्शाती है।

फसल – नागार्जुन

नीचे लिखे काव्यांश पर आधारित बहुविल्पीय प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए - 1X5=5

एक के नहीं,
दो के नहीं,
ढेर सारी नदियों के पानी का जादूः
एक के नहीं,
दो के नहीं,
लाख-लाख कोटि-कोटि हाथों के स्पर्श की गरिमाः
एक की नहीं,
दो की नहीं,
हज़ार-हज़ार खेतों की मिट्टी का गुण धर्मः
फसल क्या है?
और तो कुछ नहीं है वह नदियों के पानी का जादू है
वह हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण धर्म है
रूपांतर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का!

1. 'फसल' कविता में फसल को किनके सामूहिक योगदान का परिणाम बताया गया है?

(क) केवल किसानों के श्रम का
(ख) केवल प्रकृति के उपादानों का
(ग) प्रकृति और मानव-श्रम के सामूहिक योगदान का
(घ) केवल मिट्टी और पानी का

उत्तर – (ग) प्रकृति और मानव-श्रम के सामूहिक योगदान का

2. 'लाख-लाख कोटि-कोटि हाथों के स्पर्श की गरिमा' में 'हाथों' से तात्पर्य है—

(क) कलाकारों के हाथ
(ख) किसानों एवं श्रमिकों के परिश्रमी हाथ

(ग) व्यापारियों के हाथ

(घ) वैज्ञानिकों के हाथ

उत्तर – (ख) किसानों एवं श्रमिकों के परिश्रमी हाथ

3. कथन (A): फसल केवल मिट्टी और पानी से उत्पन्न नहीं होती।

कारण (R): फसल के निर्माण में मानव-श्रम के साथ-साथ जल, मिट्टी, सूर्य की किरणें और वायु जैसे प्राकृतिक तत्वों का भी योगदान होता है।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।

(ख) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।

(ग) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर – (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।

4. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन कविता के संदर्भ में गलत है?

(क) फसल प्रकृति और मानव-श्रम के समन्वय का परिणाम है।

(ख) कवि ने फसल के निर्माण में नदियों के पानी के योगदान को स्वीकार किया है।

(ग) कवि के अनुसार फसल केवल सूर्य की किरणों से उत्पन्न होती है।

(घ) मिट्टी के गुणधर्म का फसल के निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान है।

उत्तर – (ग) कवि के अनुसार फसल केवल सूर्य की किरणों से उत्पन्न होती है।

5. 'भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण धर्म' के माध्यम से कवि मुख्यतः क्या व्यक्त करता है?

(क) मिट्टी की विभिन्नता और उसकी उपयोगिता

(ख) मिट्टी का सौंदर्य

(ग) मिट्टी का रंग ही फसल का आधार है

(घ) मिट्टी का मानव जीवन से कोई संबंध नहीं है

उत्तर – (क) मिट्टी की विभिन्नता और उसकी उपयोगिता

दक्षता आधारित लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. "फसल कुछ नहीं है, नदियों के पानी का जादू है..." इन पंक्तियों के माध्यम से कवि क्या स्पष्ट करना चाहता है?

उत्तर –कवि यह बताना चाहता है कि फसल को सींचने में केवल बारिश या एक नदी का नहीं, बल्कि अनेक नदियों के पानी का योगदान होता है।

नदियों का पानी जब मिट्टी में मिलता है, तो वह एक जादुई प्रभाव पैदा करता है जो बीच को जीवन देता है।

यह प्रकृति के उपादान के आपसी तालमेल को दर्शाता है।

प्रश्न 2. फसल क्या है? "फसल कविता प्रकृति और मानव-श्रम के बीच सामंजस्य स्थापित करती है।" स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – कवि के अनुसार फसल मिट्टी, पानी, हवा, सूर्य की किरणों और किसालघूत्तर न के श्रम का सम्मिलित परिणाम है।'फसल' कविता में नागार्जुन ने बताया है कि फसल केवल किसान के परिश्रम से नहीं उगती। उसके लिए उपजाऊ मिट्टी, पर्याप्त पानी, हवा और सूर्य की किरणें भी आवश्यक हैं। किसान अपने श्रम से इन प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करता है और फसल तैयार करता है। इस प्रकार कविता मानव-श्रम और प्रकृति के सुंदर सामंजस्य को प्रस्तुत करती है।

प्रश्न 3. वर्तमान जीवन-शैली मिट्टी के गुण-धर्म को किस प्रकार प्रभावित कर रही है?

उत्तर –अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग हो रहा है।प्लास्टिक और प्रदूषित पानी मिलने से मिट्टी अपनी प्राकृतिक उर्वरता खो रही है।आधुनिक जीवनशैली के कारण मिट्टी का मूल गुण-धर्म नष्ट हो रहा है, जिसका बुरा प्रभाव फसल की गुणवत्ता पर पड़ रहा है।

प्रश्न 4. फसल को 'हाथों के स्पर्श की गरिमा' और 'महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है?

उत्तर - फसल केवल प्रकृति के बूते नहीं उगती, उसमें किसान और मजदूरों के कठिन परिश्रम की महक होती है।

'हाथों के स्पर्श की गरिमा' का अर्थ है कि किसान अपने हाथों से खेतों में जो पसीना बहाता है और जो स्नेह व देखभाल पौधों को देता है, उसी से फसल में जान आती है। फसल के लिए भले ही पानी, मिट्टी, सूरज की किरणें तथा हवा जैसे तत्वों की आवश्यकता है परन्तु किसानों के परिश्रम के बिना ये सभी साधन व्यर्थ हैं।

किसान अपने परिश्रम के द्वारा इसे भली प्रकार से नहीं सींचे तब तक इन सब साधनों की सफलता नहीं होगी।

अतः यह किसान के श्रम की गरिमा ही है जिसके कारण फसलें इतनी अधिक बढ़ती चली जाती हैं।

प्रश्न 5. "फसल" कविता का मूल भाव क्या है?

उत्तर - कविता का मूल भाव यह है कि फसल प्रकृति और मनुष्य के परस्पर सहयोग का परिणाम है। किसान के श्रम के साथ-साथ प्राकृतिक तत्व मिट्टी, पानी, हवा और सूर्य का प्रकाश भी फसल के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संगतकार (मंगलेश डबराल)

नीचे लिखे काव्यांश पर आधारित बहुविल्पीय प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए - 1X5=5

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता हो
या अपने ही सरगम को लाँघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थायी को सँभाले रहता है
जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था
तारसप्तक में जब बैठने लगता है
गला प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभीकभी वह यों ही दे देता है उसका साथ-
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग
और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

प्रश्न 1. 'संगतकार' कविता में संगतकार की भूमिका किस रूप में उभरकर सामने आती है?

(क) मुख्य गायक का विरोध करने वाले व्यक्ति के रूप में
(ख) मुख्य गायक की सफलता में सहयोग देने वाले सहायक के रूप में
(ग) केवल वाद्य बजाने वाले कलाकार के रूप में
(घ) मुख्य गायक के स्थान पर गाने वाले कलाकार के रूप में

उत्तर — (ख) मुख्य गायक की सफलता में सहयोग देने वाले सहायक के रूप में

प्रश्न 2.संगतकार मुख्य गायक के साथ गाते हुए अपनी आवाज़ को किस प्रकार रखता है?

(क) जान-बूझकर बहुत ऊँची
(ख) मुख्य गायक से अधिक प्रभावशाली
(ग) मुख्य गायक की आवाज़ के पीछे और सहायक रूप में
(घ) बिल्कुल अलग

उत्तर — (ग) मुख्य गायक की आवाज़ के पीछे और सहायक रूप में

प्रश्न 3.'संगतकार' कविता का केंद्रीय भाव क्या है?

(क) केवल संगीत की श्रेष्ठता का वर्णन

(ख) प्रसिद्ध कलाकारों की प्रशंसा
(ग) सफलता के पीछे छिपे सहयोगियों के महत्त्व को रेखांकित करना
(घ) संगीत प्रतियोगिता का वर्णन
उत्तर — (ग) सफलता के पीछे छिपे सहयोगियों के महत्त्व को रेखांकित करना

प्रश्न 4.नीचे दिए गए कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर सही विकल्प चुनिए—
कथन (A) संगतकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन मुख्य गायक से अधिक करने का प्रयास करता है।
कारण (R) वह मुख्य गायक की सफलता को अपनी सफलता मानकर उसके स्वर को सहारा देता है।
(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता।
(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(घ) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।
उत्तर — (घ)कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है ?
(क) संगतकार मुख्य गायक की सफलता में कोई योगदान नहीं देता।
(ख) संगतकार केवल मनोरंजन के लिए मंच पर उपस्थित रहता है।
(ग) संगतकार आवश्यकता पड़ने पर मुख्य गायक को स्वर-सहारा देता है।
(घ) संगतकार मुख्य गायक से प्रतिस्पर्धा करता है।
उत्तर — (ग) संगतकार आवश्यकता पड़ने पर मुख्य गायक को स्वरसहारा- देता है।

दक्षता आधारित लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न: 1. "उसके स्वर में एक हिचक साफ सुनाई देती है" – हिचक किस कारण हो सकती है?
उत्तर: संगतकार मुख्य गायक के स्वर को दबाना नहीं चाहता। वह अपनी भूमिका और सीमा को समझते हुए बहुत सावधानी से गाता है, इसलिए उसके स्वर में हिचक दिखाई देती है।

प्रश्न: 2. कवि ने संगतकार को 'महत्त्वपूर्ण' होते हुए भी 'गौण' क्यों माना है?
उत्तर: संगतकार प्रस्तुति की सफलता के लिए आवश्यक है, लेकिन मंच पर मुख्य गायक को ही प्रमुखता मिलती है। इसलिए उसका योगदान महत्त्वपूर्ण होते हुए भी उसे अपेक्षाकृत कम महत्व मिलता है।

प्रश्न: 3. कविता में संगतकार के स्वभाव की कौन-सी विशेषता उभरकर आती है?
उत्तर: संगतकार के स्वभाव में विनम्रता, सहयोग, त्याग और निस्वार्थ भावप्रमुख हैं। वह अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के बजाय मुख्य गायक को सफल बनाने पर ध्यान देता है।

प्रश्न: 4. "यह बात नहीं कि उसकी आवाज़ कमजोर है" – इस कथन से कवि क्या स्पष्ट करना चाहता है?
उत्तर: कवि स्पष्ट करता है कि संगतकार प्रतिभाहीन या कमजोर नहीं है। वह जानबूझकर अपनी आवाज़ को पीछे रखता है ताकि मुख्य गायक की प्रस्तुति प्रभावी बनी रहे।

प्रश्न: 5. कविता में 'संगतकार' को देखकर हमें कौन-सी जीवन-शिक्षा मिलती है?
उत्तर:हमें सीख मिलती है कि सफलता केवल एक व्यक्ति के प्रयास का परिणाम नहीं होती। दूसरों का सहयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। इसलिए हमें सहयोग करने वालों का सम्मान करना चाहिए।

नेताजी का चश्मा (स्वयं प्रकाश)

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (5 अंक)
दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। पहले मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा था , अब तार के फ्रेमवाला गोल चश्मा है। हालदार साहब का कौतुक और बढ़ा। वाह भई ! क्या आइडिया है। मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती लेकिन चश्मा तो बदल ही सकती है। पानवाले के खुद के मुँह में पान ठुँसा हुआ था। वह एक काला मोटा और खुशमिज़ाज़ आदमी था। हालदार साहब का प्रश्न सुनकर वह आँखों – ही – आँखों में हँसा। उसकी तोंद थिरकी। पीछे घूमकर उसने दुकान के नीचे पान थूका और अपनी लाल–काली बत्तीसी दिखाकर बोला , कैप्टन चश्मेवाला करता है। क्या करता है ? हालदार साहब कुछ समझ नहीं पाए।
चश्मा चेंज कर देता है। पानवाले ने समझाया। क्या मतलब ? क्यों चेंज कर देता है ? हालदार साहब अब भी नहीं समझ पाए। कोई गिराक आ गया समझो। उसको चौड़े चौखट चाहिए। तो कैप्टन किदर से लाएगा ? तो उसको मूर्तिवाला दे दिया। उदर दूसरा बिठा दिया।

प्रश्न.1. नीचे दिए गए कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर सही विकल्प चुनिए—
कथन (A) : हालदार साहब के मन में कौतुक बढ़ा और उन्होंने सोचा कि "क्या आइडिया है, मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती लेकिन चश्मा तो बदल ही सकती है।"

कारण (R): दूसरी बार उस चौराहे से गुज़रते हुए हालदार साहब ने ध्यान से देखा कि मूर्ति पर पहले वाला मोटे फ्रेम का चौकोर चश्मा नहीं था, बल्कि उसकी जगह तार के फ्रेम वाला गोल चश्मा लगा हुआ था।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(क) कथन (A) गलत है, परंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) गलत है।

उत्तर: (ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

प्रश्न.2: इस गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. पानवाला एक दुबला-पतला, गंभीर और चिड़चिड़े स्वभाव का व्यक्ति था।
II. नेताजी की मूर्ति पर चश्मा बदलने का काम कैप्टन चश्मेवाला करता था।
III. कैप्टन मूर्ति का चश्मा इसलिए बदलता था क्योंकि वह प्रतिदिन नेताजी को एक नया लुक देकर अपनी देशभक्ति जताना चाहता था।
IV. यदि किसी ग्राहक को मूर्ति पर लगा चश्मा पसंद आ जाता, तो कैप्टन उसे वह चश्मा दे देता और मूर्ति पर दूसरा चश्मा लगा देता था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से कथन सही हैं?

(क) केवल I और II
(ख) केवल II और IV
(ग) केवल I, II और III
(घ) केवल III और IV

उत्तर: (ख) केवल II और IV

प्रश्न 3: "पानवाले के खुद के मुँह में पान ठुँसा हुआ था... पीछे घूमकर उसने दुकान के नीचे पान थूका और अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखाकर बोला..." लेखक ने पानवाले की इन शारीरिक चेष्टाओं और व्यवहार का वर्णन करके मुख्य रूप से क्या दर्शाने का प्रयास किया है?

(क) पानवाले का अशिष्ट स्वभाव और ग्राहकों के प्रति उसका अपमानजनक रवैया।

(ख) हालदार साहब के प्रश्नों के प्रति उसकी अरुचि और खीझ।

(ग) पानवाले का एक ठेठ, बेफिक्र और मस्तमौला स्वरूप, जो अपनी ही सहज शैली में संवाद करता है।

(घ) यह कि वह कैप्टन का बहुत सम्मान करता था इसलिए उसने सम्मान में पान थूक दिया।

उत्तर: (ग) पानवाले का एक ठेठ, बेफिक्र और मस्तमौला स्वरूप, जो अपनी ही सहज शैली में संवाद करता है।

प्रश्न 4: "वाह भई! क्या आइडिया है।" हालदार साहब के इस कथन में उनके मन का कौन-सा भाव सबसे अधिक मुखर हुआ है?

(क) मूर्तिकार की भूल को छिपाने के लिए किए गए इस जुगाड़ पर व्यंग्यात्मक हँसी।

(ख) मूर्ति के बदलते स्वरूप को देखकर उत्पन्न हुआ सुखद आश्चर्य और कौतूहल (जिज्ञासा)।

(ग) कैप्टन चश्मेवाले की व्यापारिक चालाकी पर उनका क्रोध।

(घ) नगरपालिका के अधिकारियों की लापरवाही पर गहरी निराशा।

उत्तर: (ख) मूर्ति के बदलते स्वरूप को देखकर उत्पन्न हुआ सुखद आश्चर्य और कौतूहल (जिज्ञासा)।

प्रश्न 5: पानवाले के इस संवाद—"कोई गिराक आ गया समझो। उसको चौड़े चौखट चाहिए। तो कैप्टन किदर से लाएगा? तो उसको मूर्तिवाला दे दिया।"—से कैप्टन चश्मेवाले की किस व्यावहारिक या आर्थिक स्थिति का स्पष्ट संकेत मिलता है?

(क) कैप्टन बहुत लालची था और नेताजी की मूर्ति का उपयोग मुफ्त में विज्ञापन के लिए करता था।

(ख) कैप्टन की दुकान का स्टॉक और आर्थिक संसाधन सीमित थे, जिसके कारण वह एक ही फ्रेम के कई पीस नहीं रख पाता था।

(ग) कैप्टन जानबूझकर ग्राहकों को मूर्ति वाला चश्मा ही बेचता था ताकि वह लोगों को देशभक्ति का पाठ पढ़ा सके।

(घ) कैप्टन को यह डर रहता था कि अगर चश्मा मूर्ति पर ही छोड़ दिया तो लोग उसे चुरा लेंगे।

उत्तर: (ख) कैप्टन की दुकान का स्टॉक और आर्थिक संसाधन सीमित थे, जिसके कारण वह एक ही फ्रेम के कई पीस नहीं रख पाता था |

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (5 अंक)

हालदार साहब को हर पंद्रहवें दिन कंपनी के काम के सिलसिले में उस कस्बे से गुज़रना पड़ता था। कस्बा बहुत बड़ा नहीं था। जिसे पक्का मकान कहा जा सके वैसे कुछ ही मकान और जिसे बाज़ार कहा जा सके वैसा एक ही बाज़ार था। कस्बे में एक लड़कों का स्कूल, एक लड़कियों का स्कूल, एक सीमेंट का छोटा-सा कारखाना, दो ओपन एयर सिनेमाघर और एक ठो नगरपालिका भी थी। नगरपालिका थी तो कुछ-न-कुछ करती भी रहती थी। कभी कोई सड़क पक्की करवा दी, कभी कुछ पेशाबघर बनवा दिए, कभी कबूतरों की छतरी बनवा दी तो कभी कवि सम्मेलन करवा दिया। इसी नगरपालिका के किसी उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार 'शहर' के मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी। यह कहानी उसी प्रतिमा के बारे में है, बल्कि उसके भी एक छोटे-से हिस्से के बारे में।

पूरी बात तो अब पता नहीं, लेकिन लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और अच्छी मूर्ति की लागत अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं बहुत ज़्यादा होने के कारण काफ़ी समय ऊहापोह और चिट्ठी-पत्री में बरबाद हुआ होगा और बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने की घड़ियों में किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय

किया गया होगा, और अंत में कस्बे के इकलौते हाई स्कूल के इकलौते ड्राइंग मास्टर-मान लीजिए मोतीलाल जी को ही यह काम सौंप दिया गया होगा, जो महीने भर में मूर्ति बनाकर 'पटक देने' का विश्वास दिला रहे थे।

प्रश्न .1. नीचे दिए गए कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन (A): नगरपालिका के प्रशासनिक अधिकारी ने नेताजी की मूर्ति बनवाने का काम कस्बे के इकलौते हाई स्कूल के ड्राइंग मास्टर को सौंपने का निर्णय लिया।
कारण (R): प्रशासनिक अधिकारी को देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं थी और मूर्ति की संभावित लागत नगरपालिका के उपलब्ध बजट से बहुत अधिक थी।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(घ) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

सही उत्तर- विकल्प (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

प्रश्न .2. गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए:

- **(i) हालदार साहब को हर महीने के अंत में कंपनी के काम के सिलसिले में उस कस्बे से गुज़रना पड़ता था।**
- **(ii) कस्बे की नगरपालिका समय-समय पर सड़कें पक्की करवाने, पेशाबघर बनवाने और कवि सम्मेलन कराने जैसे कार्य करती थी।**
- **(iii) नगरपालिका के बजट से मूर्ति की संभावित लागत बहुत कम थी, इसलिए मूर्ति बनाने का काम जल्दी पूरा हो गया।**

(क) केवल कथन (ii) सत्य है।
(ख) कथन (i) और (ii) सत्य हैं, लेकिन कथन (iii) असत्य है।
(ग) केवल कथन (i) और (iii) सत्य हैं।
(घ) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

सही उत्तर: विकल्प (क) केवल कथन (ii) सत्य है।

प्रश्न.3. "महीने भर में मूर्ति बनाकर 'पटक देने' का विश्वास दिला रहे थे।" इस पंक्ति में प्रयुक्त 'पटक देने' शब्द से स्थानीय कलाकार की किस मानसिकता या स्थिति का संकेत मिलता है?

(क) वह कला के प्रति अत्यधिक समर्पित थे और बहुत कम समय में उत्कृष्ट कृति बनाना चाहते थे।
(ख) वह अत्यंत कुशल थे और उन्हें अपनी कलात्मक क्षमताओं पर पूरा भरोसा था।
(ग) वह काम को केवल एक तय समय सीमा के भीतर जैसे-तैसे निपटाने या औपचारिकता पूरी करने की बात कर रहे थे।
(घ) वह नगरपालिका के प्रशासनिक अधिकारियों को डराकर अधिक पैसा वसूलना चाहते थे।

सही उत्तर: विकल्प (ग) वह काम को केवल एक तय समय सीमा के भीतर जैसे-तैसे निपटाने या औपचारिकता पूरी करने की बात कर रहे थे।

प्रश्न.4. नगरपालिका के कार्यों (जैसे- सड़क पक्की करवाना, कवि सम्मेलन कराना आदि) के विवरण से लेखक समाज की किस व्यवस्था पर कटाक्ष कर रहा है?

(क) नगरपालिकाएँ केवल दिखावे और बिना किसी दीर्घकालिक योजना के काम करती हैं।
(ख) छोटे कस्बों में विकास कार्य करना पूरी तरह से असंभव और व्यर्थ होता है।

(ग) नगरपालिका के अधिकारी हमेशा कला और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए उत्सुक रहते हैं।
(घ) कस्बों के नागरिकों को मूलभूत सुविधाएँ बहुत आसानी से और बिना माँगे मिल जाती हैं।

सही उत्तर: विकल्प (क) नगरपालिकाएँ केवल दिखावे और बिना किसी दीर्घकालिक योजना के काम करती हैं।

प्रश्न.5. गद्यांश के आधार पर बताइए कि हालदार साहब के चरित्र की मुख्य विशेषता क्या उभर कर आती है?

(क) वे एक अत्यंत लापरवाह और व्यावसायिक दृष्टिकोण वाले व्यक्ति थे।
(ख) वे अपने काम के प्रति गंभीर थे और आस-पास के वातावरण व सामाजिक गतिविधियों का सूक्ष्म निरीक्षण करते थे।
(ग) वे कस्बे के विकास कार्यों में व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करना पसंद करते थे।
(घ) वे कला के बहुत बड़े पारखी थे और केवल मूर्तियों की कमियाँ ढूँढने में रुचि रखते थे।

सही उत्तर: विकल्प (ख) वे अपने काम के प्रति गंभीर थे और आस-पास के वातावरण व सामाजिक गतिविधियों का सूक्ष्म निरीक्षण करते थे।

दक्षता आधारित लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न.1. "देशभक्ति केवल सैनिकों की वीरता तक सीमित नहीं है।" 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर बताइए कि एक विद्यार्थी के रूप में आप विद्यालय और समाज में देशप्रेम कैसे व्यक्त करेंगे?

संभावित उत्तर: एक विद्यार्थी के रूप में मैं विद्यालय की संपत्ति की रक्षा, शिक्षकों व विद्यालय में उपस्थित सभी कर्मचारियों का सम्मान करूँगा/करुँगी। स्वच्छता एवं अनुशासन बनाए रखने तथा राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करके देशप्रेम व्यक्त करूँगा/करुँगी समाज में जरूरतमंदों की सहायता, पर्यावरण की रक्षा और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन कर देश के विकास में योगदान दूँगा/ दूँगी।

प्रश्न.2. देशप्रेम दिखावे से नहीं, छोटे-छोटे कार्यों से भी प्रकट होता है।" नेताजी का चश्मा पाठ के किसी एक प्रसंग के आधार पर इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।

संभावित उत्तर: कैप्टन के पास अधिक साधन नहीं थे, फिर भी वह नेताजी की मूर्ति पर अपनी ओर से चश्मा लगाता था। उसका यह छोटा-सा कार्य बिना किसी दिखावे के देश के महान नेता के प्रति सम्मान और देशप्रेम की भावना को प्रकट करता है। इससे स्पष्ट होता है कि देशप्रेम बड़े कार्यों के साथ छोटे कार्यों में भी दिखाई दे सकता है।

प्रश्न.3. वह लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में!"—इस कथन के पीछे छिपी मानसिकता को पाठ के संदर्भ में समझाइए।

संभावित उत्तर: इस कथन में व्यक्ति को उसकी शारीरिक कमी के आधार पर कमतर आँकने की मानसिकता दिखाई देती है। यह सोच व्यक्ति की वास्तविक क्षमता, भावनाओं और देशप्रेम को समझने के बजाय उसके बाहरी रूप और शारीरिक स्थिति को अधिक महत्त्व देती है।

प्रश्न.4. मूर्ति पर चश्मे का बदलना केवल बाहरी परिवर्तन नहीं था। इस घटना के माध्यम से लेखक स्वयं प्रकाश क्या संकेत देना चाहते है?

संभावित उत्तर: मूर्ति पर चश्मे का बदलना कैप्टन के नेताजी के प्रति निरंतर सम्मान और देशभक्ति का प्रतीक था। लेखक संकेत देना चाहते हैं कि सच्ची देशभक्ति किसी प्रदर्शन की मोहताज नहीं होती; वह व्यक्ति के छोटे-छोटे कार्यों और भावनाओं में भी दिखाई देती है।

प्रश्न.5. यदि समाज में प्रत्येक व्यक्ति कैप्टन की तरह अपने स्तर पर देश और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाए, तो उसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

संभावित उत्तर: यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर देश और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाए, तो लोगों में सहयोग, संवेदनशीलता और देशप्रेम की भावना बढ़ेगी। इससे समाज अधिक स्वच्छ, जिम्मेदार और एकजुट बनेगा तथा देश के विकास में प्रत्येक नागरिक की सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित होगी।

बालगोबिन भगत (रामवृक्ष बेनीपुरी)

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (5 × 1 = 5 अंक)

"बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण थी। वह भोर में उठते, न जाने किस वक्त जगकर वह दो मील दूर नदी-स्नान को जाते। वहाँ से नहा-धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही पोखरे के ऊँचे भिंडे पर अपनी खंजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। मैं शुरू से ही देर तक सोने वाला हूँ, किंतु एक दिन माघ की उस दाँत किटकटाने वाली भोर में भी उनका संगीत मुझे पोखरे पर ले गया था। अभी आसमान के तारों के दीपक बुझे नहीं थे। हाँ, पूरब में लोही लग गई थी जिसकी लालिमा को शुक्र तारा और बढ़ा रहा था। खेत, बाग, घर-सब पर कुहासा छा रहा था। सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत मालूम पड़ता था। उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढ़े, बालगोबिन भगत अपनी खंजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुख से शब्दों का ताँता लगा था, उनकी उँगलियाँ खंजड़ी पर लगातार चल रही थीं।"

प्रश्न 1. बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के लिए 'अचरज (आश्चर्य)' का कारण क्यों थी?

(क) क्योंकि वे किसी से भी बात किए बिना पूरा दिन बिता देते थे।

(ख) क्योंकि वे हर मौसम में बिना रुके अपनी कठोर साधना और नियमों का पालन करते थे।

(ग) क्योंकि वे हर समय गाँव छोड़कर कहीं दूर चले जाते थे।

(घ) क्योंकि वे दिन-रात केवल सोये रहते थे।

उत्तर: (ख) क्योंकि वे हर मौसम में बिना रुके अपनी कठोर साधना और नियमों का पालन करते थे।

प्रश्न 2. गद्यांश में ' आसमान के तारों के दीपक बुझे नहीं थे' तथा 'पूरब में लोही लग गई थी' पंक्तियाँ किस समय का संकेत करती हैं?

(क) शाम ढलने का समय

(ख) दोपहर का समय

(ग) भोर का समय (सूर्योदय से ठीक पहले का समय)

(घ) आधी रात का समय

उत्तर: (ग) भोर का समय (सूर्योदय से ठीक पहले का समय)

प्रश्न 3. 'उनके मुख से शब्दों का ताँता लगा था' - इस कथन का क्या अभिप्राय है?

(क) वे दूसरों से बहस कर रहे थे।

(ख) वे बिना रुके निरंतर कबीर के पद गाए जा रहे थे।

(ग) वे बहुत धीरे-धीरे बुदबुदा रहे थे।

(घ) वे खंजड़ी बजाना भूल गए थे।

उत्तर: (ख) वे बिना रुके निरंतर कबीर के पद गाए जा रहे थे।

प्रश्न 4. (कथन और कारण आधारित प्रश्न)

कथन (A): माघ की अत्यंत ठिठुरन भरी भोर में भी लेखक बालगोबिन भगत के संगीत की ओर खिँचे चले गए।

कारण (R): बालगोबिन भगत के गायन में एक अद्भुत आकर्षण और भक्ति-भाव था, जो किसी को भी प्रभावित कर लेता था।

(क) कथन **(A)** और कारण **(R)** दोनों सही हैं तथा कारण **(R),** कथन **(A)** की सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन **(A)** और कारण **(R)** दोनों सही हैं तथा कारण **(R),** कथन **(A)** की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) कथन **(A)** सही है**,** परंतु कारण **(R)** गलत है।

(घ) कथन **(A)** गलत है, परंतु कारण **(R)** सही है।

उत्तर: (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

प्रश्न 5. (कथनों की सत्यता पर आधारित प्रश्न)

गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही उत्तर वाला विकल्प चुनिए:

I. **बालगोबिन भगत प्रतिदिन प्रात:काल गाँव के पास पोखरे पर स्नान करने जाते थे। |.**

II. **भगत जी माघ की कड़ाके की ठंड में भी भोर के समय खंजड़ी बजाते हुए गाते थे।**

III. **लेखक का स्वभाव बचपन से ही सुबह जल्दी उठने का था |**

IV. **भोर के समय चारों ओर का वातावरण रहस्यमयी प्रतीत हो रहा था।**

(क) केवल कथन **I**और **III** सही हैं।

(ख) केवल कथन **II** और **IV** सही हैं।

(ग) केवल कथन **I, III** और **IV** सही हैं।

उत्तर: (ख) केवल कथन II और IV सही हैं।

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर का चयन कीजिए:

बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह! कुछ सुस्त और बोदा-सा था, किंतु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी चाहते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज़्यादा नज़र रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मोहब्बत के ज़्यादा हकदार होते हैं। बड़ी साध से उसकी शादी कराई थी, पतोहू बड़ी सुभग और सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने। हमने सुना,बालगोबिन भगत का बेटा मर गया।कुतुहलवश उनके घर गया।देखकर दंग रह गया।बेटे के मरने पर बालगोबिन भगत न तो रोए और न तड़पे। वे बेटे के शव के सामने बैठकर गाते रहे और अपनी पतोहू से भी उत्सव मनाने को कहते रहे। उनका मानना था कि आत्मा परमात्मा से जा मिली है, विरहिणी अपने प्रेमी से जा मिली, भला इससे बढ़कर आनंद की कौन बात होगी?"

प्रश्न. 1. नीचे दिए गए कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन (A): बालगोबिन भगत अपने सुस्त और बोदे बेटे को अन्य अधिक स्नेह और देखभाल प्रदान करते थे।
कारण (R): भगत जी का मानना था कि ऐसे मानसिक रूप से कमजोर या अक्षम व्यक्ति अधिक निगरानी और प्रेम के हकदार होते हैं।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(घ) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

सही उत्तर - (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

प्रश्न. .2 .गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही विकल्प चुनिए:
(i) बालगोबिन भगत बेटे की मृत्यु पर अत्यधिक व्याकुल होकर रोने-चिल्लाने लगे।
(ii) भगत जी की पतोहू घर का पूरा प्रबंध सँभालने वाली और सुभग-सुशील स्त्री थी।
(iii) भगत जी बेटे की मृत्यु को शोक के बजाय आत्मा का परमात्मा से मिलन मानकर उत्सव का अवसर मानते थे।

(क) केवल कथन (i) और (ii) सत्य हैं।
(ख) केवल कथन (ii) और (iii) सत्य हैं।
(ग) केवल कथन (i) और (iii) सत्य हैं।
(घ) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

सही उत्तर-(ख) केवल कथन (ii) और (iii) सत्य हैं।

प्रश्न.3. प्रस्तुत गद्यांश का केंद्रीय भाव (मूल संदेश) क्या है?
(क) पारिवारिक जिम्मेदारियों से भागकर संन्यास ग्रहण करने की प्रेरणा देना।
(ख) बालगोबिन भगत का कबीरपंथी दर्शन, जो मृत्यु को शोक का विषय न मानकर आत्मा का परमात्मा से दिव्य मिलन स्वीकार करता है।
(ग) ग्रामीण समाज में विवाह और पुरानी रीति-रिवाजों का अंधानुकरण दर्शाना।
(घ) शारीरिक व मानसिक रूप से सुस्त बच्चों को बोझ समझने की प्रवृत्ति का समर्थन करना।
सही उत्तर-(ख) बालगोबिन भगत का कबीरपंथी दर्शन, जो मृत्यु को शोक का विषय न मानकर आत्मा का परमात्मा से दिव्य मिलन स्वीकार करता है।

प्रश्न. 4. **गद्यांश के अनुसार, बालगोबिन भगत ने अपनी पतोहू को रोने के स्थान पर उत्सव मनाने की सलाह क्यों दी?**
(क) क्योंकि वे पतोहू के प्रति कठोर हृदय और निष्ठुर स्वभाव के थे।
(ख) क्योंकि उनके अनुसार मृत्यु सांसारिक बंधनों से मुक्ति है और विरहिणी आत्मा अपने प्रेमी परमात्मा से जा मिली है।
(ग) क्योंकि वे बेटे की मृत्यु से अत्यंत प्रसन्न थे और दुखों से मुक्ति चाहते थे।
(घ) क्योंकि वे समाज में अपनी वैराग्य भावना का दिखावा करना चाहते थे।
सही उत्तर-(ख) क्योंकि उनके अनुसार मृत्यु सांसारिक बंधनों से मुक्ति है और विरहिणी आत्मा अपने प्रेमी परमात्मा से जा मिली है।

प्रश्न. 5. 'घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने।' - इस पंक्ति से पतोहू के किस गुण और भगत जी की स्थिति का बोध होता है?
(क) पतोहू की कुशल गृहस्थी-प्रबंधन क्षमता जिससे भगत जी निश्चिंत होकर अपनी संगीत-साधना व भक्ति में लीन रह सके।
(ख) पतोहू का दबंग स्वभाव जिससे भगत जी घर-परिवार से बेदखल हो गए।
(ग) पतोहू की अकर्मण्यता जिसके कारण भगत जी पर काम का बोझ अत्यधिक बढ़ गया।
(घ) पतोहू का वैराग्य भाव जिससे घर की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई।
सही उत्तर-(क) पतोहू की कुशल गृहस्थी-प्रबंधन क्षमता जिससे भगत जी निश्चिंत होकर अपनी संगीत-साधना व भक्ति में लीन रह सके।

दक्षता आधारित लघुत्तर प्रश्न

1. बालगोबिन भगत का जीवन-संघर्ष और उनकी सादगी आज के व्यक्ति के लिए किस प्रकार प्रेरणादायक है? [2 अंक]

उत्तर: बालगोबिन भगत अभावों के बावजूद संतोषी, ईमानदार और आत्मनिर्भर जीवन जीते थे। वे मेहनत करते थे और दिखावे से दूर रहते थे। उनका जीवन सिखाता है कि सच्ची खुशी भौतिक सुविधाओं में नहीं, बल्कि संतोष, परिश्रम और अच्छे आचरण में है।

2. बाल गोविंद भगत जी की दिनचर्या से आप कौन-कौन सी आदतें अपने जीवन में अपनाना चाहेंगे? [2 अंक]

उत्तर: बालगोबिन भगत जी की दिनचर्या को अपनाना हमारे लिए बहुत कठिन होगा लेकिन फिर भी हम उनकी दो आदतें अपने जीवन में उतरना चाहेंगे ,एक तो सुबह जल्दी उठना और सुबह जल्दी स्नान करके पूजा करना।

3. बालगोबिन भगत सामाजिक रूढ़ियों से अलग दिखाई देते हैं। पाठ की किसी एक घटना के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [2 अंक]

उत्तर: पुत्र की मृत्यु के बाद उन्होंने अपनी विधवा बहू के भविष्य की चिंता की और उसकी दूसरी शादी कराने का निर्णय लिया। उस समय विधवा-विवाह को समाज में सहज स्वीकार नहीं किया जाता था। उनका यह निर्णय उनकी प्रगतिशील सोच और रूढ़ियों के विरोध को दर्शाता है।

4. यदि बालगोबिन भगत के स्थान पर कोई सामान्य व्यक्ति अपने पुत्र की मृत्यु का सामना करता, तो उसकी प्रतिक्रिया और भगत जी की प्रतिक्रिया में क्या अंतर हो सकता था? [2 अंक]

उत्तर: सामान्य व्यक्ति पुत्र की मृत्यु से अत्यधिक दुखी होकर शोक में डूब सकता था, जबकि बालगोबिन भगत ने मृत्यु को जीवन का सत्य मानकर उसे स्वीकार किया। उन्होंने अपने दुःख को भक्ति और ईश्वर-विश्वास के माध्यम से संभाला। इससे उनका धैर्य और आध्यात्मिक दृष्टिकोण स्पष्ट होता है।

5. "बालगोबिन भगत का संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि विचारोंकी अभिव्यक्ति था।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए। [2 अंक]

उत्तर: यह कथन उचित है। बालगोबिन भगत के गीतों में भक्ति, ईश्वर के प्रति समर्पण और जीवन के प्रति उनकी गहरी आस्था व्यक्त होती थी। उनका संगीत केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि उनके विचारों को अभिव्यक्त करने वाला और आध्यात्मिक शांति का माध्यम था।

लखनवी अंदाज़ (यशपाल)

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (5 × 1 = 5 अंक)

गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर, ज़रा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नसल के एक सफेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताजे-चिकने खीरे तौलिये पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे-जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हों।नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया। हमने भी उनके सामने की बर्थ पर बैठकर आत्मसम्मान में आँखें चुरा लीं।टाली बैठे, कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है। नवाब साहब की असुविधा और संकोच के कारण का अनुमान करने लगा। संभव है, नवाब साहब ने बिल्कुल अकेले यात्रा कर सकने के अनुमान में किफायत के विचार से सेकंड क्लास का टिकट खरीद लिया हो और अब गवारा न हो कि शहर का कोई सफेदपोश उन्हें मजले दर्जे में सफर करता देखे!…अकेले सफर का वक्त काटने के लिए ही खीरे खरीदे होंगे और अब किसी सफेदपोश के सामने खीरा कैसे खाएँ?हम कनखियों से नवाब साहब की ओर देख रहे थे। नवाब साहब कुछ देर गाड़ी की खिड़की से बाहर देखकर स्थिति पर गौर करते रहे।

1. कथन (A): नवाब साहब ने लेखक के डिब्बे में आने पर बातचीत करने में कोई उत्साह नहीं दिखाया।
कारण (R): नवाब साहब अपने एकांत और आराम में व्यवधान पड़ने से असंतुष्ट दिखाई दे रहे थे।

क. कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।
ख. कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
ग. कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
घ. कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

2. कथन A: 'लेखक का नवाब साहब के व्यवहार के संबंध में तरह-तरह की कल्पनाएँ करना उसके जिज्ञासु और कल्पनाशील स्वभाव को दर्शाता है।'
उपरोक्त कथन A के संबंध में सही विकल्प चुनिए।

क. कथन A सही है।
ख. कथन A गलत है।
ग. कथन A केवल आंशिक रूप से सही है।
घ. कथन A के संबंध में गद्यांश से कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता।

3. लेखक ने नवाब साहब के खीरे खाने में संकोच करने का अनुमान मुख्यतः किस आधार पर लगाया?

क. नवाब साहब को खीरे पसंद नहीं थे।
ख. नवाब साहब किसी दूसरे यात्री की प्रतीक्षा कर रहे थे।
ग. नवाब साहब अपनी सफेदपोशी और प्रतिष्ठा के कारण किसी के सामने खीरा खाने में संकोच कर रहे होंगे।
घ. नवाब साहब खीरे को किसी विशेष अवसर के लिए बचाकर रखना चाहते थे।

4. गद्यांश में लेखक और नवाब साहब के बीच बातचीत न होने से कौन-सी स्थिति उभरकर सामने आती है?

क. दोनों अपने-अपने आत्मसम्मान और संकोच के कारण मौन रहे।
ख. दोनों एक-दूसरे से बहुत प्रसन्न थे।
ग. लेखक नवाब साहब से डर रहा था।
घ. नवाब साहब लेखक को पहचानते थे।

5. यदि लेखक नवाब साहब के सामने न बैठकर किसी दूसरी बर्थ पर चला जाता, तो गद्यांश के हास्य-व्यंग्य पर क्या प्रभाव पड़ता?

क. हास्य-व्यंग्य अधिक तीखा हो जाता।

ख. नवाब साहब के आडंबर और संकोच को देखने का अवसर कम हो जाता।

ग. कहानी का अंत तुरंत हो जाता।

घ. लेखक और नवाब साहब में मित्रता हो जाती।

उत्तरमाला

1. क 2. क 3. ग 4. क 5. ख

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (5 × 1 = 5 अंक)

"हम गौर कर रहे थे, खीरा इस्तेमाल करने के इस तरीके को खीरे की सुगंध और स्वाद की कल्पना से संतुष्ट होने का सूक्ष्म, नफ़ीस या एब्स्ट्रैक्ट तरीका ज़रूर कहा जा सकता है परंतु क्या ऐसे तरीके से उदर की तृप्ति भी हो सकती है?

नवाब साहब की ओर से भरे पेट के ऊँचे डकार का शब्द सुनाई दिया और नवाब साहब ने हमारी ओर देखकर कह दिया, 'खीरा लज़ीज़ होता है लेकिन होता है सकील, नामुराद मेदे पर बोझ डाल देता है।'

ज्ञान-चक्षु खुल गए! पहचाना-ये हैं नयी कहानी के लेखक!

खीरे की सुगंध और स्वाद की कल्पना से पेट भर जाने का डकार आ सकता है तो बिना विचार, घटना और पात्रों के, लेखक की इच्छा मात्र से 'नयी कहानी' क्यों नहीं बन सकती?"

प्रश्न 1: 'नयी कहानी' के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

(क) इच्छा मात्र से रचना संभव

(ख) कथ्यहीन लेखन संभव

(ग) बिना विचार-पात्र कहानी असंभव

(घ) केवल नवाबी जीवन पर आधारित

1. विकल्प क और ग सही है।

2. केवल ग सही है

3. विकल्प ख,ग और घ सही है

4.केवल घ सही है

उत्तर: 2. केवल ग सही है

प्रश्न 2: कथन और कारण दक्षता

कथन (A): नवाब साहब का खीरा फेंककर डकार लेना खोखले स्वभाव को दर्शाता है।

कारण (R): वे बनावटी और सामंती जीवन शैली के प्रतीक हैं।

(क) कथन (A) और कारण (R)दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन (A) और कारण (R)दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ग) कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) गलत है।

(घ) कथन (A) गलत है, परंतु कारण (R) सही है।

उत्तर: (क) कथन (A) और कारण (R)दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

व (R) दोनों सत्य; सही व्याख्या

प्रश्न 3: 'ज्ञान-चक्षु खुल गए' का प्रयोग किस संदर्भ में हुआ है?

(क) नवाब का बड़प्पन समझने हेतु

(ख) खीरे की सुपाच्यता जानने हेतु

(ग) 'नयी कहानी' पर व्यंग्य हेतु

(घ) यात्रा लाभ समझने हेतु

उत्तर: (ग) 'नयी कहानी' पर व्यंग्य हेतु

प्रश्न 4: आज के समय में 'परजीवी संस्कृति' का सबसे सटीक उदाहरण क्या है?

(क) सादगीपूर्ण जीवन शैली

(ख) झूठा आडंबर और दिखावा

(ग) विचारशील और गहन लेखन

(घ) सहज सामाजिक व्यवहार

उत्तर: (ख) झूठा आडंबर और दिखावा

प्रश्न 5: 'एब्स्ट्रैक्ट तरीका' शब्द किस व्यवहार पर व्यंग्य करता है?

(क) करीने से खीरा काटना

(ख) काल्पनिक तृप्ति का ढोंग

(ग) शिष्टाचार व आदाब दर्शाना

(घ) रेल यात्रा में किफ़ायत

उत्तर: (ख) काल्पनिक तृप्ति का ढोंग

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (5 × 1 = 5 अंक)

गद्यांशः "मुफस्सिल की पैसेंजर ट्रेन चल पड़ने की उतावली में फूँकार रही थी। आराम से सेकंड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक लगते हैं। दूर तो जाना नहीं था। भीड़ से बचकर, एकांत में नयी कहानी के संबंध में सोच सकने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देख सकने के लिए टिकट सेकंड क्लास का ही ले लिया। गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर, ज़रा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताज़े-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे- जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हों।"

प्रश्न 1. लेखक द्वारा अधिक पैसे खर्च करके भी सेकंड क्लास का टिकट लेने का मुख्य अंतर्निहित उद्देश्य क्या था?

क) भीड़भाड़ से बचकर आराम की नींद लेना तथा यात्रा को आरामदायक बनाना।

ख) एकांत में नई कहानी पर विचार करना तथा प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेना।

ग) नवाब साहब जैसे संभ्रांत और रईस लोगों से परिचय स्थापित करना।

घ) अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा दर्शाना तथा सेकंड क्लास की सुविधाओं को आंकना।

सही उत्तर: ख) एकांत में नई कहानी पर विचार करना तथा प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेना।

प्रश्न 2. लेखक के डिब्बे में प्रवेश करते ही 'सज्जन की आँखों में असंतोष दिखाई देना' उनके किस मनोभाव को रेखांकित करता है?

क) वे अकेलेपन का आनंद ले रहे थे और किसी का हस्तक्षेप नहीं चाहते थे।

ख) वे साधारण यात्रियों से मिलने में संकोच और हिचकिचाहट महसूस करते थे।

ग) वे एकांत चिंतन में बाधा और अपनी साधारण वस्तु के दिखने से असहज थे।

घ) वे लेखक के अचानक आ जाने से डर गए थे और असुरक्षित महसूस कर रहे थे।

सही उत्तर: ग) वे एकांत चिंतन में बाधा और अपनी साधारण वस्तु के दिखने से असहज थे।

प्रश्न 3. लेखक ने नवाब साहब की खीरे जैसी वस्तु को 'अपदार्थ' क्यों माना है?

क) क्योंकि खीरा एक अत्यंत महँगा फल है जो केवल नवाब लोग ही खा सकते हैं।

ख) क्योंकि खीरा समाज में एक अति-साधारण और तुच्छ खाद्य वस्तु माना जाता है।

ग) क्योंकि खीरे का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत नुकसानदेह समझा जाता है।

घ) क्योंकि खीरा केवल यात्रा के दौरान समय बिताने का साधन माना जाता है।

सही उत्तर: ख) क्योंकि खीरा समाज में एक अति-साधारण और तुच्छ खाद्य वस्तु माना जाता है।

प्रश्न 4. गद्यांश के आधार पर लेखक के व्यक्तित्व की किस विशेषता का पता चलता है?

क) वे हर स्थिति में दूसरों की कमियों की सार्वजनिक आलोचना करने के आदी हैं।

ख) वे अत्यंत शर्मीले स्वभाव के हैं और अजनबियों से बात करने में कतराते हैं।

ग) वे संवेदनशील, कल्पनाशील तथा मानवीय व्यवहार का सूक्ष्म निरीक्षण करने वाले हैं। (घ) वे बिना सोचे-समझे दूसरों के बारे में जल्दबाज़ी में धारणा बना लेते हैं।

सही उत्तर: ग) वे संवेदनशील, कल्पनाशील तथा मानवीय व्यवहार का सूक्ष्म निरीक्षण करने वाले हैं।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प चुनिए:

कथन (A): नवाब साहब ने यात्रा के लिए सेकंड क्लास का टिकट खरीदा था।

कारण (R): वे अकेले यात्रा करके किफ़ायत करना चाहते थे तथा नहीं चाहते थे कि कोई सफ़ेदपोश उन्हें मॅझले दर्जे में सफ़र करते देखे।

क) कथन (A) गलत है, परंतु कारण (R) पूरी तरह सही है।

ख) कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं और परस्पर असंबद्ध हैं।

घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

सही उत्तर: घ) कथन (A) तथा कारण (A) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

दक्षता आधारित लघूत्तर प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए उत्सुक नहीं हैं?

उत्तर: नवाब साहब ने लेखक को देखकर आँखें नहीं मिलाई, उनसे बातचीत करने के लिए उत्साह नहीं दिखाया और खिड़की से बाहर देखने लगे। उनके इन संकोच भरे और उदासीन हाव-भाव से लेखक को लगा कि वे बातचीत नहीं करना चाहते।

प्रश्न 2. नवाब साहब ने खीरे खाने की क्या तैयारी की?

उत्तर: नवाब साहब ने पहले दोनों खीरों को खिड़की से बाहर निकालकर लोटे के पानी से धोया। फिर तौलिए से उन्हें साफ किया। इसके बाद चाकू से खीरे के सिरों को काटकर उन्हें खुरचा और करीने से छीलकर फाँकों को करीने से तौलिए पर सजाया। फिर उस पर नमक और मिर्च छिड़की।

प्रश्न 3. नवाब साहब द्वारा खीरा खाने की प्रक्रिया को देखकर लेखक ने क्या सोचा?

उत्तर: लेखक ने सोचा कि नवाब साहब भले ही खुद को रईस और आम लोगों से अलग दिखाते हों, लेकिन खीरे जैसी साधारण वस्तु खाने की इच्छा उन पर हावी हो गई है। यह उनके संशय और पतनशील सामंती स्वभाव का प्रतीक है।

प्रश्न 4. नवाब साहब ने खीरे की फाँकों को खिड़की से बाहर क्यों फेंक दिया?

उत्तर: नवाब साहब ने अपनी झूठी शान और रईसी का प्रदर्शन करने के लिए खीरे की फाँकों को सूँचकर खिड़की से बाहर फेंक दिया। वे लेखक के सामने यह जताना चाहते थे कि खानदानी रईस लोग खीरा खाने जैसी मामूली हरकत नहीं करते।

प्रश्न 5. 'लखनवी अंदाज़' पाठ का मुख्य उद्देश्य वया है?

उत्तर: इस पाठ के माध्यम से लेखक ने समाज के दिखावा-पसंद और झूठी शान-शौकत वाले लोगों की जीवनशैली पर करारा व्यंग्य किया है। साथ ही यह भी बताया है कि बिना किसी कथा या विचार के भी केवल बनावटीपन से कहानी नहीं बनती।

एक कहानी यह भी (मन्नू भण्डारी)

प्रश्न. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए(5 अंक)

पिता के ठीक विपरीत थीं हमारी बेपढ़ी लिखी माँ। धरती से कुछ ज़्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिता जी की हर ज़्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़र्माइश और ज़िद्द को अपना फ़र्ज़ समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने ज़िंदगी भर अपने लिए कुछ मांगा नहीं, चाहा नहीं... केवल दिया ही दिया। हम भाई-बहनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका... न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता। खैर, जो भी हो, अब यह पैतृक-पुराण यहीं समाप्त कर अपने पर लौटती हूँ।

पाँच भाई-बहनों में सबसे छोटी मैं। सबसे बड़ी बहन की शादी के समय मैं शायद सात साल की थी और उसकी एक धुंधली-सी याद ही मेरे मन में है, लेकिन अपने से दो साल बड़ी बहन सुशीला और मैंने घर के बड़े से आँगन में बचपन के सारे खेल खेले—सतोलिया, लंगड़ी-टाँग, पकड़म-पकड़ाई, काली-टीलो—तो कमरों में गुड़िया-गुड़ियों के ब्याह भी रचाए, पास-पड़ोस की सहेलियों के साथ। यूँ खेलने को हमने भाइयों के साथ गिल्ली-डंडा भी खेला और पतंग उड़ाने, काँच पीसकर मांझा सूतने का काम भी किया, लेकिन उनकी गतिविधियों का दायरा घर के बाहर ही अधिक रहता था और हमारी सीमा थी घर। हाँ, इतना ज़रूर था कि उस ज़माने में घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जाती थीं बल्कि पूरे मोहल्ले तक फैली रहती थीं इसलिए मोहल्ले के किसी भी घर में जाने पर कोई पाबंदी नहीं...।"

प्रश्न 1:लेखिका के माँ का व्यक्तित्व लेखिका का आदर्श क्यों नहीं बन सका?

(क) क्योंकि माँ बहुत कठोर स्वभाव की थीं।

(ख) क्योंकि माँ बच्चों से प्यार करती थीं।

(ग) क्योंकि उनका त्याग असहाय मजबूरी में लिपटा हुआ था।

(घ) क्योंकि माँ शिक्षित और आधुनिक विचारों की थीं।

उत्तर - ग

प्रश्न 2. "उस ज़माने में घर की दीवारें पूरे मोहल्ले तक फैली रहती थीं" — इस कथन का क्या भाव है?

(क) घर की दीवारें बहुत लंबी-चौड़ी बनाई जाती थीं।

(ख) पूरा मोहल्ला एक बड़े परिवार की तरह था और किसी के घर जाने पर पाबंदी नहीं थी।

(ग) लोग अपने घरों में बाउंड्री वॉल नहीं बनवाते थे।

(घ) मोहल्ले के लोग हमेशा घर के बाहर ही सोया करते थे।

उत्तर - ख

प्रश्न 3. इस पंक्ति का आशय है पिता जी की हर ज़्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़र्माइश और ज़िद्द को अपना फ़र्ज़ समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे।

(क) माँ का स्वभाव दयावान थी।

(ख) वह अधिक सहनशील और धैर्यवान थी।

(ग) वह घर में कामगार थी।

(घ) वह बहुत ही समझदार थी।

उत्तर - ख

प्रश्न 4: निम्नलिखित पंक्तियों में से कौन- सी पंक्ति सत्य है ?

1.माँ ने अपने लिए जीवन में बहुत कुछ माँगा और उन्होंने बच्चों के लिए बहुत कुछ सहन किया।

2.लेखिका घर में खेलने के बजाय ज्यादातर मोहल्ले में खेलने वाली गतिविधियों में शामिल थीं।

3.लेखिका और उनकी दो साल बड़ी बहन सुशीला ने घर के बड़े आँगन में कई बच्चों वाले खेल खेले और कमरे में गुड़ियों के ब्याह भी रचाए।

4.उस समय मोहल्ले के लोगों के बीच किसी के घर में जाने पर पाबंदी रहती थी।

(क) 1और 2 सही

(ख) 2 और 3 सही

(ग) 1 और 4 सही

(घ) 3 और 4 सही

उत्तर -ख

प्रश्न 5:कथन: माँ ने जीवन भर अपने लिए कुछ माँगा या चाहा नहीं, केवल दिया ही दिया।

कारण: माँ का पूरा लगाव और त्याग बच्चों के प्रति सहानुभूति और पारिवारिक दायित्व की वजह से था।

(क) दोनों कथन सही और कारण परिणाम का सही कारण है

(ख) दोनों कथन सही पर कारण परिणाम का सही कारण नहीं है

(ग) कथन सही, कारण गलत

(घ) कथन गलत, कारण सही

उत्तर – क

प्रश्न निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए(5 अंक)

"पिता के व्यक्तित्व का प्रभाव मुझ पर बहुत गहरा था। वे अपने सिद्धांतों के प्रति बहुत दृढ़ थे। उनके सामने अपनी बात कहने का साहस कम ही होता था। उनकी अपेक्षाएँ भी बहुत अधिक थीं। वे चाहते थे कि मैं पढ़ाई में अच्छा करूँ और जीवन में अनुशासन बनाए रखूँ। उनके लिए समय की पाबंदी, नियमितता और अपने कार्य के प्रति गंभीरता बहुत महत्त्वपूर्ण थी। वे छोटी-छोटी बातों में भी लापरवाही पसंद नहीं करते थे। घर में उनके व्यक्तित्व का एक विशेष प्रभाव था और सभी उनके निर्णयों को गंभीरता से लेते थे। उनके कठोर अनुशासन के कारण मन में भय तो रहता था, लेकिन उनके व्यक्तित्व ने मेरे जीवन को एक दिशा भी दी। उस समय उनके व्यवहार की कठोरता मुझे अच्छी नहीं लगती थी और कई बार मैं उनकी बातों से असहमत भी होती थी। फिर भी, उनके विचारों और व्यवहार ने मेरे भीतर जिम्मेदारी की भावना विकसित की। उन्होंने मुझे यह समझने में सहायता की कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं होती, बल्कि परिश्रम, अनुशासन और अपने लक्ष्य के प्रति निष्ठा भी आवश्यक है। बाद में जब मैं अपने जीवन को पीछे मुड़कर देखने लगी, तब मुझे अनुभव हुआ कि पिता की कठोरता के पीछे भी मेरे भविष्य को बेहतर बनाने की चिंता छिपी हुई थी। उनके व्यक्तित्व का प्रभाव मेरे जीवन पर लंबे समय तक बना रहा और उसने मेरे सोचने तथा निर्णय लेने के तरीके को भी प्रभावित किया।"

1.कथन क और कारण ख पर विचार कीजिए -

कथन (क): लेखिका के मन में अपने पिता के प्रति भय रहता था।

कारण (ख): उनके पिता अनुशासन और नियमों को बहुत महत्त्व देते थे तथा लापरवाही पसंद नहीं करते थे।

(क) क और ख दोनों सही हैं तथा ख, क की सही व्याख्या करता है।

(ख) क और ख दोनों सही हैं, लेकिन ख, क की सही व्याख्या नहीं करता।

(ग) क सही है, लेकिन ख गलत है।

(घ) क गलत है, लेकिन ख सही है।

उत्तर: (क)

2. गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

1. पिता का कठोर अनुशासन लेखिका के मन में भय उत्पन्न करता था।

2. पिता की अपेक्षाओं ने लेखिका को जीवन में अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

3. लेखिका के अनुसार पिता का प्रभाव केवल उनके विद्यार्थी जीवन तक सीमित था।

सही विकल्प चुनिए—

(क) केवल 1 और 2 सही हैं।

(ख) केवल 2 और 3 सही हैं।

(ग) केवल 1 और 3 सही हैं।

(घ) 1, 2 और 3 तीनों सही हैं।

उत्तर: (क)

3. गद्यांश के अनुसार पिता के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी बात सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण थी?

(क) मनोरंजन और आराम

(ख) समय की पाबंदी, नियमितता और कार्य के प्रति गंभीरता

(ग) सामाजिक प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि

(घ) दूसरों की सहायता प्राप्त करना

उत्तर: (ख)

4. 'पिता की कठोरता के पीछे भी मेरे भविष्य को बेहतर बनाने की चिंता छिपी हुई थी।' इस कथन का आशय क्या है?

(क) पिता लेखिका को पढ़ाई से दूर रखना चाहते थे।

(ख) पिता का कठोर व्यवहार लेखिका के प्रति उनकी चिंता और मार्गदर्शन की भावना से जुड़ा था।

(ग) पिता लेखिका के विचारों को बिल्कुल महत्त्व नहीं देते थे।

(घ) पिता लेखिका को अपने निर्णय स्वयं लेने से रोकना चाहते थे।

उत्तर: (ख)

5. गद्यांश के आधार पर लेखिका के व्यक्तित्व में निम्नलिखित में से कौन-से गुण विकसित हुए?

(क) जिम्मेदारी, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति निष्ठा

(ख) भय, आलस्य और असावधानी

(ग) अहंकार, क्रोध और असंतोष

(घ) संकोच, निराशा और निष्क्रियता

उत्तर: (क)

दक्षता आधारित लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लेखिका के व्यक्तित्व के निर्माण में उनके पिता की क्या भूमिका रही?

उत्तर: लेखिका के व्यक्तित्व के निर्माण में उनके पिता की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। उनके स्वतंत्र विचारों और आत्मसम्मान की भावना से प्रभावित होकर लेखिका में भी स्वतंत्र सोच तथा अन्याय और रूढ़ियों का विरोध करने की भावना विकसित हुई।

प्रश्न 2. पिता के किन विचारों ने लेखिका के भीतर विरोध और आत्मसम्मान की भावना विकसित की?

उत्तर: पिता स्वतंत्रता और आत्मसम्मान को बहुत महत्त्व देते थे। वे सामाजिक रूढ़ियों और आडंबरों को स्वीकार नहीं करते थे। उनके इन्हीं विचारों से लेखिका में अन्याय और रूढ़ियों के प्रति विरोध की भावना विकसित हुई।

प्रश्न 3. पिता का प्रभाव लेखिका के व्यक्तित्व पर 'विरोधाभासी' क्यों कहा गया है?

उत्तर: पिता ने लेखिका को स्वतंत्र सोच और आत्मसम्मान की भावना दी, जो उनके व्यक्तित्व के विकास में सहायक बनी। दूसरी ओर, उनके स्वभाव के कुछ पक्षों से लेखिका के मन में हीनता और असुरक्षा की भावना भी उत्पन्न हुई। इसलिए उनका प्रभाव विरोधाभासी था।

प्रश्न 4. पिता के व्यवहार के किन पक्षों का लेखिका के मन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा?

उत्तर: पिता के स्वभाव और व्यवहार के कुछ ऐसे पक्ष थे, जिनके कारण लेखिका के मन में हीनता और असुरक्षा की भावना उत्पन्न हुई। इन अनुभवों ने उनके मन पर गहरी छाप छोड़ी और उनके व्यक्तित्व को प्रभावित किया।

प्रश्न 5. गद्यांश के आधार पर लेखिका के व्यक्तित्व की कोई दो विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: लेखिका के व्यक्तित्व की दो प्रमुख विशेषताएँ हैं-स्वतंत्र सोच और आत्मसम्मान। वे अन्याय तथा सामाजिक रूढ़ियों का विरोध करने वाली और अपनी अलग पहचान बनाने के लिए प्रयासरत महिला थीं।

प्रश्न. 6. प्राध्यापिका शीला अग्रवाल की भूमिका ने मन्नू भंडारी के जीवन की दिशा को किस प्रकार परिवर्तित किया?
उत्तर: शीला अग्रवाल ने लेखिका को न केवल उच्च स्तरीय साहित्य से परिचित कराया, बल्कि उनके विचारों को एक निश्चित दिशा दी। उन्होंने लेखिका के भीतर छिपे राष्ट्रप्रेम को सक्रिय भागीदारी में बदला, जिससे वे कॉलेज में नेतृत्व करने और स्वतंत्रता आंदोलन में खुलकर हिस्सा लेने लगीं।

प्रश्न. 7.पिता और मन्नू भंडारी के बीच वैचारिक टकराहट का मुख्य कारण क्या था?
उत्तर: पिता चाहते थे कि लेखिका देश-दुनिया की राजनीति से जुड़े विचारों पर घर के भीतर बैठकर चर्चा करें, जबकि लेखिका उन विचारों को सड़कों पर उतरकर, जुलूस निकालकर और हड़तालें करवाकर व्यावहारिक रूप दे रही थीं। विचार समान होने के बावजूद कार्यशैली और सीमा को लेकर दोनों में टकराहट होती थी।

प्रश्न. 8. "मनुष्य का स्वभाव परिस्थितियों और आसपास के वातावरण से निर्मित होता है।" पाठ के संदर्भ में मन्नू भंडारी के पिता के स्वभाव में आए बदलावों की समीक्षा कीजिए।

उत्तर: मन्नू भंडारी के पिता पहले बेहद दरियादिल, कोमल, संवेदनशील और आर्थिक रूप से संपन्न व्यक्ति थे। वे समाज-सुधारक और छात्रों के मददगार थे। लेकिन इंदौर में एक विश्वासपात्र द्वारा धोखा मिलने पर भारी आर्थिक नुकसान हुआ, जिसके बाद वे अजमेर आ गए। आर्थिक तंगी, गिरते स्तर और सामाजिक प्रतिष्ठा खोने के डर ने उनके कोमल स्वभाव को क्रोधी, शक्की, जिद्दी और कुंठित बना दिया। इससे स्पष्ट होता है कि विपरीत परिस्थितियाँ व्यक्ति के स्वभाव को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती हैं।

प्रश्न. 9. मन्नू भंडारी की माँ का चरित्र उनके पिता के चरित्र से पूरी तरह विपरीत था। दोनों के चरित्र का तुलनात्मक विश्लेषण करते हुए बताइए कि पाठ से माँ के चरित्र के बारे में क्या सीख मिलती है?

उत्तर: पिता का चरित्र: क्रोधी, शक्की, अपनी शर्तों पर जीवन जीने वाले और बच्चों से अपनी बात मनवाने वाले व्यक्ति थे।
माँ का चरित्र: अनपढ़, सहनशील, त्यागी और बिना किसी शिकायत के सबकी सेवा करने वाली थीं।
सीख: माँ के चरित्र से हमें सेवा, धैर्य और सहनशीलता की सीख मिलती है, लेकिन साथ ही यह भी समझ आता है कि अत्यधिक सहनशीलता और बिना विरोध के हर अन्याय को स्वीकार कर लेना व्यक्ति के अपने अस्तित्व को समाप्त कर देता है।

प्रश्न. 10. सन् 1947 के समय के भारत के माहौल और मन्नू भंडारी की सक्रियता का वर्णन करते हुए समझाइए कि युवाओं की भागीदारी ने स्वतंत्रता संग्राम को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर: मन्नू भंडारी जैसे युवाओं ने प्रभातफेरियों, हड़तालों, भाषणों और जुलूसों के माध्यम से इस आंदोलन को नई ऊर्जा और धार दी। शीला अग्रवाल जैसी अध्यापिकाओं के मार्गदर्शन में युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने स्वतंत्रता संग्राम को जन-आंदोलन में बदल दिया, जिससे ब्रिटिश शासन पर दबाव अत्यधिक बढ़ गया।

नौबतखाने में इबादत (यतीन्द्र मिश्र)

प्रश्न. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (5 × 1 = 5 अंक)

काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा है। यह आयोजन पिछले कई बरसों से संकटमोचन मंदिर में होता आया है। यह मंदिर शहर के दक्षिण में लंका पर स्थित है व हनुमान जयंती के अवसर पर यहाँ पाँच दिनों तक शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायन-वादन की उत्कृष्ट सभा होती है। इसमें बिस्मिल्ला खाँ अवश्य रहते हैं। अपने मजहब के प्रति अत्यधिक समर्पित उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ की श्रद्धा काशी विश्वनाथ जी के प्रति भी अपार है। वे जब भी काशी से बाहर रहते हैं तब विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुँह करके बैठते हैं, थोड़ी देर ही सही, मगर उसी ओर शहनाई का प्याला घुमा दिया जाता है और भीतर की आस्था रीड के माध्यम से बजती है।

प्रश्न 1. उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ जब काशी से बाहर होते थे, तब भी शहनाई का प्याला विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा में घुमा दिया करते थे। उनका यह आचरण उनके व्यक्तित्व की किस विशेषता को दर्शाता है?

(क) अंधविश्वास और औपचारिकता

(ख) सर्वधर्म समभाव और असीम आस्था

(ग) केवल पुरानी परंपराओं का पालन करना

(घ) काशी न लौट पाने का भय

प्रश्न 2. गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प चुनिए:

1संकटमोचन मंदिर में प्रतिवर्ष हनुमान जयंती पर संगीत सभा का आयोजन होता है।

2 बिस्मिल्ला खाँ केवल अपने मजहब के प्रति समर्पित थे, अन्य धर्मों के प्रति नहीं।

3 बिस्मिल्ला खाँ की भीतर की आस्था शहनाई की रीड के माध्यम से अभिव्यक्त होती थी।

(क) केवल कथन 1 सही है।

(ख) केवल कथन 2 और 3 सही हैं।

(ग) केवल कथन 1 और 3 सही हैं।

(घ) तीनों कथन 1, 2 और 3 सही हैं।

प्रश्न 3. (कथन और कारण आधारित प्रश्न)

कथन (A): उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ की श्रद्धा काशी और बाबा विश्वनाथ के प्रति अपार थी।

कारण (R): वे जब भी काशी से बाहर रहते थे, तब काशी विश्वनाथ और बालाजी मंदिर की ओर मुँह करके बैठते थे और उसी दिशा में शहनाई बजाते थे।

(क) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

प्रश्न 4. गद्यांश में प्रयुक्त पंक्ति "भीतर की आस्था रीड के माध्यम से बजती है" का क्या आशय है?

(क) संगीत केवल एक यांत्रिक प्रक्रिया है।

(ख) कला और संगीत कलाकार की आंतरिक भक्ति और आस्था की अभिव्यक्ति होते हैं।

(ग) शहनाई की रीड ही संगीत में मुख्य भूमिका निभाती है, कलाकार की भावनाएँ नहीं।

(घ) धार्मिक स्थलों पर शहनाई बजाना अनिवार्य होता है।

प्रश्न 5. संकटमोचन मंदिर में आयोजित होने वाले पाँच दिवसीय संगीत समारोह की क्या मुख्य विशेषता है?

(क) यह केवल एक विशेष समुदाय के लोगों के लिए आयोजित होता है।

(ख) इसमें केवल आधुनिक पॉप संगीत का गायन-वादन होता है।

(ग) इसमें शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायन-वादन की उत्कृष्ट सभाएँ होती हैं।

(घ) इसमें बिस्मिल्ला खाँ के अलावा किसी अन्य कलाकार को अनुमति नहीं होती।

उत्तर

1.(ख) सर्वधर्म समभाव और असीम आस्था

2. (ग) केवल कथन 1 और 3 सही हैं।

3. (घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

4. (ख) कला और संगीत कलाकार की आंतरिक भक्ति और आस्था की अभिव्यक्ति होते हैं।

5. (ग) इसमें शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायन-वादन की उत्कृष्ट सभाएँ होती हैं।

प्रश्न.निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (5 × 1 = 5 अंक)

बिस्मिल्ला खाँ और शहनाई के साथ जिस एक मुस्लिम पर्व का नाम जुड़ा हुआ है, वह मुहर्रम है। मुहर्रम का महीना वह होता है जिसमें शिया मुसलमान हज़रत इमाम हुसैन एवं उनके कुछ वंशजों के प्रति अज़ादारी (शोक मनाना) मनाते हैं। पूरे दस दिनों का शोक। वे बताते हैं कि उनके खानदान का कोई व्यक्ति मुहर्रम के दिनों में न तो शहनाई बजाता है, न ही किसी संगीत के कार्यक्रम में शिरकत ही करता है। आठवीं तारीख उनके लिए खास महत्त्व की है। इस दिन खाँ साहब खड़े होकर शहनाई बजाते हैं व दालमंडी में फातमान के करीब आठ किलोमीटर की दूरी तक पैदल रोते हुए, नौहा बजाते जाते हैं। इस दिन कोई राग नहीं बजता। राग-रागिनियों की अदायगी का निषेध है इस दिन।उनकी आँखें इमाम हुसैन और उनके परिवार के लोगों की शहादत में नम रहती हैं। अज़ादारी होती है। हज़ारों आँखें नम। हज़ार बरस की परंपरा पुनर्जीवित। मुहर्रम संपन्न होता है। एक बड़े कलाकार का सहज मानवीय रूप ऐसे अवसर पर आसानी से दिख जाता है।मुहर्रम के गमज़दा माहौल से अलग, कभी-कभी सुकून के क्षणों में वे अपनी जवानी के दिनों को याद करते हैं। वे अपने रियाज़ को कम, उन दिनों के अपने जुनून को अधिक याद करते हैं। अपने अब्बाजान और उस्ताद को कम, पक्का महाल की कुलसुम हलवाइन की कचौड़ी वाली दुकान व गीताबाली और सुलोचना को ज्यादा याद करते हैं। कैसे सुलोचना उनकी पसंदीदा हीरोइन रही थीं, बड़ी रहस्यमय मुस्कराहट के साथ गालों पर चमक आ जाती है।

प्रश्न 1:कथन (A): मुहर्रम के दिनों में बिस्मिल्ला खाँ के खानदान का कोई भी व्यक्ति न तो शहनाई बजाता है और न ही किसी संगीत कार्यक्रम में भाग लेता है।

कारण (R): मुहर्रम का महीना वह होता है जिसमें शिया मुसलमान हज़रत इमाम हुसैन एवं उनके कुछ वंशजों के प्रति शोक (अज़ादारी) मनाते हैं।

(क) कथन(A) सही है और कारण कारण(R) ,कथन A की सही व्याख्या नहीं करता।

(ख) कथन (ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर:(ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, और कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

प्रश्न 2. आठवीं तारीख बिस्मिल्ला खाँ के लिए विशेष महत्त्वपूर्ण क्यों थी?

(क) इस दिन वे नया राग सीखते थे।

(ख) इस दिन वे खड़े होकर शहनाई बजाते हुए नौहा बजाते थे।

(ग) इस दिन वे संगीत कार्यक्रम आयोजित करते थे।

(घ) इस दिन वे अपने गुरु से मिलते थे।

उत्तर – (ख)

प्रश्न 3.मुहर्रम के दौरान बिस्मिल्लाह खाँ द्वारा शहनाई न बजाना और मातम मनाना, उनके किस दृष्टिकोण को उजागर करता है?

क यह उनकी अपनी परंपराओं और आस्था के प्रति गहरी निष्ठा व सम्मान को दर्शाता है।

ख. यह उनके धार्मिक अंधविश्वास को दर्शाता है।

ग. यह दर्शाता है कि वे मुहर्रम के दिन काम नहीं करना चाहते थे।

घ यह उनके संगीत के प्रति अरुचि को दर्शाता है।

उत्तर:क

प्रश्न 4.मुहर्रम के अवसर पर उस्ताद बिस्मिल्लाह खान और उनके खानदान की क्या परंपरा थी?

क. मुहर्रम के महीने में वे संगीत और शहनाई बजाना पूरी तरह बंद कर देते थे।

ख.वे मुहर्रम के दौरान ताजिया का जुलूस निकालने के बजाय केवल दरगाह में बैठकर बजाते थे।

ग. वे केवल रमजान के महीने में ही शहनाई बजाते थे, मुहर्रम में नहीं।

घ.मुहर्रम के दिनों में वे ताजिए निकालते समय शहनाई की खास धुन बजाते हुए शोक प्रकट करते थे।

उत्तर घ

प्रश्न 5.वे अपने उस्ताद और अब्बाजान की तुलना में किसे अधिक याद करते हैं?

(क) अपने बचपन के दोस्तों को(ख) संगीत के पुराने कार्यक्रमों को

(ग) कुलसुम हलवाइन की कचौड़ी वाली दुकान और गीताबाली-सुलोचना को

(घ) पक्का महाल के बाजारों को

उत्तर: (ग) कुलसुम हलवाइन की कचौड़ी वाली दुकान और गीताबाली-सुलोचना को

दक्षता आधारित लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. बिस्मिल्ला ख़ाँ साहब "एक सच्चे सुर" के लिए बार-बार प्रार्थना क्यों करते थे? उनके लिए सच्चे सुर की क्या विशेषता थी?

उत्तर: बिस्मिल्ला ख़ाँ साहब संगीत में ऐसा सच्चा सुर प्राप्त करना चाहते थे जिसमें गहरी तासीर हो। वे चाहते थे कि उनके सुर को सुनकर श्रोता के हृदय पर ऐसा प्रभाव पड़े कि उसकी आँखों से सच्चे आँसू निकल आएँ।

प्रश्न 2."सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ।" इस कथन से बिस्मिल्ला ख़ाँ की संगीत-साधना के बारे में क्या पता चलता है?

उत्तर: इससे पता चलता है कि बिस्मिल्ला ख़ाँ संगीत को केवल कला या मनोरंजन नहीं मानते थे, बल्कि उसे गहरी साधना और इबादत के रूप में लेते थे। वे अपने सुर को इतना प्रभावशाली बनाना चाहते थे कि वह सीधे श्रोता के हृदय को छू सके।

प्रश्न 3.अस्सी वर्ष की साधना के बाद भी बिस्मिल्ला ख़ाँ को ऐसा क्यों लगता था कि उन्हें "सातों सुरों को बरतने की तमीज़" अभी पूरी तरह नहीं आई?

उत्तर: बिस्मिल्ला ख़ाँ संगीत में पूर्णता प्राप्त करने के लिए निरंतर साधना करते थे। उनकी विनम्रता और सीखते रहने की जिजीविषा के कारण वे अपनी उपलब्धियों को पर्याप्त नहीं मानते थे और हमेशा बेहतर सुर की तलाश में रहते थे।

प्रश्न 4 -बिस्मिल्ला ख़ाँ की प्रार्थना में संगीत और इबादत किस प्रकार एक-दूसरे से जुड़ जाते हैं?

उत्तर: बिस्मिल्ला ख़ाँ सच्चे सुर की प्राप्ति के लिए ख़ुदा से प्रार्थना करते थे। उनके लिए संगीत-साधना ही इबादत का रूप ले लेती है; वे सुर को ईश्वर की देन मानकर उसकी प्राप्ति के लिए समर्पित भाव से साधना करते थे।

प्रश्न 5. "हिरन अपनी ही महक से परेशान पूरे जंगल में उस वरदान को खोजता है जिसकी गमक उसी में समाई है।" इस उदाहरण के माध्यम से लेखक बिस्मिल्ला ख़ाँ की साधना के बारे में क्या समझाना चाहता है?

उत्तर: लेखक बताना चाहता है कि मनुष्य जिस उपलब्धि या पूर्णता की तलाश बाहर करता है, उसका स्रोत कई बार उसके भीतर ही होता है। बिस्मिल्ला ख़ाँ भी अपने भीतर मौजूद संगीत-प्रतिभा को निरंतर साधना द्वारा पूर्णता तक पहुँचाने के लिए जीवनभर प्रयास करते रहे।

प्रश्न 6. बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की दुनिया में सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ। उनकी सफलता में अभ्यास और समर्पण की क्या भूमिका रही? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: बिस्मिल्ला ख़ाँ ने शहनाई को केवल वाद्य यंत्र नहीं माना, बल्कि उसे अपनी साधना का माध्यम बनाया। उन्होंने लंबे समय तक निरंतर रियाज़ किया और पूरी निष्ठा से संगीत साधना की। उनके निरंतर अभ्यास, लगन और समर्पण ने उन्हें शहनाई वादन का महान कलाकार बनाया।

प्रश्न 7. यदि बिस्मिल्ला खाँ आज के युवा कलाकारों को सलाह देते, तो वे सफलता के लिए किन दो गुणों को सबसे अधिक महत्त्व देते? पाठ के आधार पर तर्क दीजिए।

उत्तर: वे निरंतर अभ्यास और समर्पण को सबसे अधिक महत्त्व देते। उनका जीवन बताता है कि केवल प्रतिभा पर्याप्त नहीं होती; उसे निखारने के लिए अनुशासन, धैर्य और निरंतर साधना आवश्यक है।

प्रश्न 8. बिस्मिल्ला खाँ का काशी और गंगा से गहरा लगाव उनके व्यक्तित्व की किस विशेषता को दर्शाता है? यदि उन्हें काशी छोड़कर विदेश में बसने का अवसर मिलता, तो वे ऐसा क्यों नहीं करना चाहते थे?

उत्तर: इससे उनके मातृभूमि, संस्कृति और परंपरा के प्रति प्रेम का पता चलता है। काशी का वातावरण, गंगा का किनारा और वहाँ के धार्मिक-सांस्कृतिक परिवेश ने उनकी संगीत-साधना को गहराई से प्रभावित किया था। इसलिए वे विदेश की सुख-सुविधाओं की अपेक्षा काशी से जुड़े रहना अधिक पसंद करते थे।

प्रश्न 9. 'नौबतखाने में इबादत' पाठ बिस्मिल्ला ख़ाँ के माध्यम से सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश देता है। पाठ के आधार पर इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।

उत्तर: यह कथन पूर्णतः उचित है। बिस्मिल्ला ख़ाँ मुस्लिम धर्म से संबंधित थे, लेकिन काशी के मंदिरों में शहनाई बजाते थे और गंगा के प्रति भी उनके मन में गहरी श्रद्धा थी। उनके लिए संगीत धर्म की सीमाओं से ऊपर था। उनका जीवन हिंदू-मुस्लिम एकता और सांस्कृतिक सद्भाव का सुंदर उदाहरण है।

प्रश्न 10. आज के समय में अनेक पारंपरिक कलाएँ आधुनिक मनोरंजन के कारण पीछे छूट रही हैं। "नौबतखाने में इबादत" के आधार पर बताइए कि युवा पीढ़ी भारतीय कला और संस्कृति के संरक्षण में क्या भूमिका निभा सकती है।

उत्तर: युवा पीढ़ी पारंपरिक कला और कलाकारों के प्रति सम्मान विकसित करके, भारतीय संगीत एवं लोककलाओं को सीखकर तथा उन्हें सोशल मीडिया और अन्य आधुनिक माध्यमों से लोगों तक पहुँचाकर उनके संरक्षण में योगदान दे सकती है। आधुनिकता को अपनाते हुए अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहना ही इस पाठ की महत्वपूर्ण सीख है।

संस्कृति (भदंत आनंद कौसल्यायन)

प्रश्न.निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (5 × 1 = 5 अंक)

एक संस्कृत व्यक्ति किसी नयी चीज़ की खोज करता है; किंतु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है। जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान जिसे अपने पूर्वज से वह वस्तु अनायास ही प्राप्त हो गई है, वह अपने पूर्वज की भाँति सभ्य भले ही बन जाए, संस्कृत नहीं कहला सकता। एक आधुनिक उदाहरण लें। न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया। वह संस्कृत मानव था। आज के युग का भौतिक विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण से तो परिचित है ही, लेकिन उसके साथ उसे और भी अनेक बातों का ज्ञान प्राप्त है जिनसे शायद न्यूटन अपरिचित ही रहा। ऐसा होने पर भी हम आज के भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी को न्यूटन की अपेक्षा अधिक सभ्य भले ही कह सकें पर न्यूटन जितना संस्कृत नहीं कह सकते।

प्रश्न.1. संस्कृत व्यक्ति कौन है?
(क) जो कोई नयी चीज़ प्राप्त करता है
(ख) जो सभ्य होता है
(ग) जो किसी नयी चीज़ की खोज करता है
(घ) जो किसी नयी चीज़ का उपयोग करता है
उत्तर (ग) जो किसी नयी चीज की खोज करता है

प्रश्न.2. अपने पूर्वजों से अनायास ही कुछ प्राप्त करने वाला व्यक्ति क्या कहलाता है?
(क) संस्कृत व्यक्ति
(ख) सभ्य व्यक्ति
(ग) संभांत व्यक्ति
(घ) विद्वान
उत्तर (ख) सभ्य व्यक्ति

प्रश्न.3. सभ्य और संस्कृत व्यक्ति के लिए कौनसा विकल्प उपयुक्त है?
(क) नयी चीज़ की खोज करता है; अपने पूर्वजों से अनायास ही कुछ प्राप्त करता है
(ख) अपने पूर्वजों से अनायास ही कुछ प्राप्त करता है; नयी चीज़ की खोज करता है
(ग) नयी चीज़ खरीदता है; अपने पूर्वजों से अनायास ही कुछ प्राप्त करता है
(घ) अपने पूर्वजों से अनायास ही कुछ प्राप्त करता है; नयी चीज़ का उपयोगकरता है
उत्तर (ख) अपने पूर्वजों से अनायास ही कुछ प्राप्त करता है; नयी चीज़ की खोज करता है

प्रश्न.4. "भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी न्यूटन जितने संस्कृत नहीं हो सकते" के आलोक में सत्य कथन का समूह चुनिए-
(i) न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया

(ii) भौतिक विज्ञान के विद्यार्थियों ने उसे आगे बढ़ाया

(iii) आविष्कर्ता ही संस्कृत व्यक्ति होता है

(क) कथन i एवं iii

(ख) कथन ii एवं iii

(ग) कथन i एवं ii

(घ) कथन i,ii एवं iii

उत्तर (घ) कथन i,ii एवं iii

प्रश्न.5. कथन (A): न्यूटन को एक 'संस्कृत मानव' कहा गया है।

कारण (R): न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार अपनी किसी नई महत्ता या स्वार्थ के लिए किया था।

(क) कथन A और कारण सही है, लेकिन कारण R गलत है।

(ख) कथन A सही है, लेकिन कारण R गलत है।

(ग) कथन A सही है, लेकिन कारण R गलत है।

(घ) कथन A सही है, लेकिन कारण R गलत है।

उत्तर: (ग) A सही है, लेकिन R गलत है।

प्रश्न.निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (5 × 1 = 5 अंक)

हमारी समझ में मानव संस्कृति की जो योग्यता आग व सुई-धागे का आविष्कार कराती है; वह भी संस्कृति है जो योग्यता तारों की जानकारी कराती है, वह भी है; और जो योग्यता किसी महामानव से सर्वस्व त्याग कराती है, वह भी संस्कृति है।

और सभ्यता? सभ्यता है संस्कृति का परिणाम। हमारे खाने-पीने के तरीके, हमारे ओढ़ने पहनने के तरीके, हमारे गमना-गमन के साधन, हमारे परस्पर कट मरने के तरीके; सब हमारी सभ्यता हैं। मानव की जो योग्यता उससे आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति ? और जिन साधनों के बल पर वह दिन-रात आत्म-विनाश में जुटा हुआ है, उन्हें हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता ? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और ऐसी संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिरिक्त दूसरा क्या होगा?संस्कृति के नाम से जिस कूड़े-करकट के ढेर का बोध होता है, वह न संस्कृति है न रक्षणीय वस्तु। क्षण-क्षण परिवर्तन होने वाले संसार में किसी भी चीज़ को पकड़कर बैठा नहीं जा सकता।

प्रश्न 1.संस्कृत क्या है ?

कथन1-सुई-धागे का आविष्कार करती है

कथन2-तारों की जानकारी देती है

कथन3-महामानव से सर्वस्व त्याग कराती है

क) कथन 1 सही है

ख) कथन 2 और 3 सही है

ग) सभी कथन सही है

घ) सभी कथन गलत है

उत्तर – ग) सभी कथन सही है ।

प्रश्न 2.जो योग्यता मानव की उससे आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है क्या है ?

क)संस्कृति

ख)असंस्कृति

ग)सभ्यता

घ) संस्कृति और असंस्कृति

उत्तर – ख) असंस्कृति

प्रश्न 3.लेखक संस्कृति का आधार किसे मानते हैं, जो मनुष्य को एक-दूसरे से जोड़ती है और कल्याण की ओर ले जाती है?

क) स्वार्थ और प्रतिस्पर्धा

ख) त्याग और मित्रता की भावना

ग) युद्ध और हिंसा

घ) संस्कृति और असंस्कृति

उत्तर ख) त्याग और मित्रता की भावना

प्रश्न 4.लेखक के अनुसार, संस्कृति और सभ्यता के बीच मुख्य संबंध क्या है?

क)सभ्यता संस्कृति का विनाश करती है।

ख)सभ्यता केवल दिखावा है और संस्कृति वास्तविकता।

ग)संस्कृति परिणाम है और सभ्यता उस परिणाम तक पहुँचने का साधन।

घ)सभ्यता, संस्कृति का ही एक विकसित या उन्नत रूप है।

उत्तर ध)सभ्यता, संस्कृति का ही एक विकसित या उन्नत रूप है।

प्रश्न 5.कथन (A): सुई-धागे का आविष्कार करने वाली योग्यता को लेखक ने 'संस्कृति' कहा है।

कारण (R): सुई-धागा मनुष्य के खाने-पीने और परस्पर कट मरने का एक उन्नत साधन है।

विकल्प:

क) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।

ख) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

ग) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

घ) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर: क) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।

दक्षता आधारित लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. यदि किसी आविष्कार से मनुष्य को सुविधा तो मिले, लेकिन उसका उपयोग मानव-विनाश के लिए होने लगे, तो लेखक के विचार से उसे संस्कृति कहेंगे या असंस्कृति? कारण सहित बताइए।

उत्तर: लेखक के विचार से इसे असंस्कृति कहा जाएगा। संस्कृति का मूल उद्देश्य सर्वदा मानव-कल्याण और लोक-हित होता है। जब किसी आविष्कार या योग्यता का उपयोग मानवता के विनाश और नुकसान के लिए होने लगता है, तब संस्कृति अपना मूल स्वरूप खोकर पूर्णतः असंस्कृति में परिवर्तित हो जाती है।

प्रश्न 2. एक व्यक्ति ने ऐसी मशीन बनाई जिससे लोगों का जीवन आसान हो गया। दूसरे ने उसी तकनीक का उपयोग लोगों को नुकसान पहुँचाने में किया। 'संस्कृति' पाठ के आधार पर दोनों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: पहला व्यक्ति सुसंस्कृत है क्योंकि उसने अपनी बुद्धि और योग्यता का प्रयोग समाज के कल्याण व जीवन को सुगम बनाने के लिए किया। इसके विपरीत, दूसरा व्यक्ति असंस्कृत है क्योंकि उसने उसी तकनीक का दुरुपयोग करके मानव-जाति को हानि पहुँचाई है, जो असंस्कृति का प्रतीक है।

प्रश्न 3. आपके विचार से सभ्यता के विकास में संस्कृति की क्या भूमिका है? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर अपने उत्तर को तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: सभ्यता के विकास में संस्कृति की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। संस्कृति मनुष्य के भीतर नई खोजों, चिंतन और आविष्कारों की प्रेरणा उत्पन्न करती है। जब इन रचनात्मक आविष्कारों का व्यावहारिक और जनकल्याणकारी उपयोग समाज द्वारा किया जाता है, तब उससे एक उन्नत और समृद्ध सभ्यता का निर्माण होता है।

प्रश्न 4. दो विद्यार्थी अपनी बुद्धि का अलग-अलग उपयोग करते हैं—एक केवल अपना लाभ सोचता है और दूसरा दूसरों की सहायता करता है। पाठ के आधार पर बताइए कि सुसंस्कृत कौन है और क्यों?

उत्तर: दूसरा विद्यार्थी सुसंस्कृत है क्योंकि वह अपनी बुद्धि, ज्ञान और सामर्थ्य का उपयोग निस्वार्थ भाव से दूसरों की सहायता और जनकल्याण के लिए करता है। पाठ के अनुसार, जो व्यक्ति केवल स्वार्थ से ऊपर उठकर पूरी मानवता की भलाई और सुख के लिए कार्य करता है, वही सच्चा सुसंस्कृत कहलाता है।

प्रश्न 5. आज विज्ञान ने अनेक सुविधाएँ प्रदान की हैं, लेकिन कुछ आविष्कार मानवता के लिए खतरा भी बन रहे हैं। 'संस्कृति' पाठ के आधार पर इस स्थिति से क्या सीख मिलती है?

उत्तर: इस स्थिति से हमें यह महत्वपूर्ण सीख मिलती है कि वैज्ञानिक चेतना और योग्यता का उपयोग केवल मानव-कल्याण और शांति के लिए होना चाहिए। हमें ऐसे विनाशकारी आविष्कारों से बचना चाहिए जो मानवता के अस्तित्व के लिए खतरा बनें, क्योंकि कल्याणकारी सोच ही सच्ची संस्कृति का आधार है।

पूरक पाठ्यपुस्तक (कृतिका भाग-2)

माता का आँचल (शिवपूजन सहाय)

प्रश्न 1. भोलानाथ और उसके साथी सीमित साधनों में भी अपनी कल्पना से खेलों को रोचक बना लेते थे। इस प्रसंग से 'संसाधनों के सदुपयोग' और 'रचनात्मकता' के कौन-से मूल्य विकसित होते हैं? वर्तमान जीवन से एक उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - इस प्रसंग से संसाधनों के सदुपयोग, कल्पनाशीलता, आत्मनिर्भरता और रचनात्मकता जैसे मूल्य विकसित होते हैं। बच्चों को मनोरंजन के लिए हमेशा महँगे साधनों की आवश्यकता नहीं होती। वे उपलब्ध वस्तुओं का उपयोग करके भी नए खेल और गतिविधियाँ बना सकते हैं।

उदाहरण: पुराने डिब्बों, बोतलों और कागज का उपयोग करके बच्चे खिलौने, मॉडल या खेल की सामग्री बना सकते हैं। इससे अपव्यय कम होता है और रचनात्मक क्षमता बढ़ती है।

प्रश्न 2. साँप को देखकर भोलानाथ भयभीत होकर अपनी माँ की शरण में चला जाता है। यदि आप उस परिस्थिति में भोलानाथ के मित्र होते, तो उसकी सहायता के लिए क्या करते? पाठ की परिस्थिति के आधार पर अपने निर्णय के चार बिंदु लिखिए।

उत्तर -यदि मैं भोलानाथ का मित्र होता, तो साँप दिखाई देने पर सबसे पहले सभी बच्चों को साँप से दूर रहने के लिए कहता।
घबराकर साँप को छेड़ने या मारने का प्रयास नहीं करता।
बड़ों/शिक्षक/परिवार के किसी सदस्य को तुरंत सूचना देता।
भोलानाथ को शांत करता और उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाने में सहायता करता।
इस प्रकार सावधानी, सहयोग और संकट में समझदारी का परिचय दिया जा सकता है।

प्रश्न 3. भोलानाथ और उसके साथियों का बचपन खेल, कल्पना और सामूहिकता से भरपूर था। आज बच्चे मोबाइल और डिजिटल उपकरणों में अधिक समय बिताते हैं। आपके विचार में बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना क्यों आवश्यक है? अपने उत्तर के पक्ष में चार तर्क दीजिए।

उत्तर - आज बच्चे मोबाइल और डिजिटल उपकरणों में अधिक समय बिताते हैं जिसके कारण वे अपने शारीरिक व्यायाम नहीं पाते हैं। इसका शरीर और मन-मस्तिष्क पर गहरा असर पड़ता है। हमें बच्चों को पारंपरिक खेलों से जोड़ना चाहिए ताकि स्थानीयता और संस्कृति के मूल्य बचे रहें।पारंपरिक खेल बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनसे शरीर सक्रिय रहता है और स्वास्थ्य अच्छा बनता है।खेलों से कल्पनाशक्ति, निर्णय लेने और समस्या-समाधान की क्षमता विकसित होती है। सामूहिक खेलों से सहयोग, अनुशासन, नेतृत्व और आपसी समझ की भावना बढ़ती है। इसलिए बच्चों के लिए मोबाइल के साथ-साथ पारंपरिक खेलों को भी पर्याप्त समय देना चाहिए।

साना-साना हाथि जोड़ी (मधु कांकरिया)

प्रश्न 1. लेखिका ने सिक्किम की प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ वहाँ के श्रमिकों के कठिन जीवन को भी देखा। आपके विचार में प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते समय हमें श्रमिकों के प्रति किस प्रकार का दृष्टिकोण रखना चाहिए? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (4 अंक)

उत्तर : प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते समय हमें उसके निर्माण और संरक्षण में लगे श्रमिकों के श्रम का सम्मान करना चाहिए। उनके कठिन परिश्रम को समझते हुए उनके प्रति संवेदनशील और सम्मानपूर्ण व्यवहार रखना चाहिए। उनके अधिकारों और सुविधाओं के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए। उनके कल्याण के लिए सरकार को अनेक योजनाएँ बनाई जानी चाहिए। उनके प्रति हमें हमेशा कृतज्ञ रहना चाहिए। लेखिका ने पहाड़ी स्त्रियों को कठिन परिस्थितियों में सड़क निर्माण करते देखा और उनके श्रम तथा संघर्ष को महसूस किया।

प्रश्न 2. पाठ में पहाड़ी बच्चों के कठिन जीवन और उनकी शिक्षा के लिए किए जाने वाले संघर्ष का उल्लेख है। यदि आप ऐसे बच्चों की सहायता करना चाहें, तो अपने स्तर पर कौन-कौन से कार्य कर सकते हैं? (4 अंक)

उत्तर : पाठ में पहाड़ी बच्चों के कठिन जीवन और उनकी शिक्षा के लिए किए जाने वाले संघर्ष का उल्लेख है। ऐसे बच्चों की सहायता के लिए उन्हें पुस्तकें, अध्ययन-सामग्री और आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराई जा सकती हैं। उनकी शिक्षा के लिए आर्थिक या शैक्षिक सहयोग किया जा सकता है। उन्हें पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना और समय-समय पर मार्गदर्शन देना भी उपयोगी होगा। साथ ही, समाज में ऐसे बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करनी चाहिए। समय-समय पर उनके कल्याण हेतु प्रयास स्वरूप योजनाएँ बनाई जानी चाहिए। पाठ में पहाड़ी बच्चों के कठिन जीवन और लंबी दूरी तय करके विद्यालय जाने का उल्लेख है।

प्रश्न 3. लेखिका की यात्रा केवल प्राकृतिक दृश्यों को देखने की यात्रा नहीं रही, बल्कि यह उनके लिए आत्मिक और मानवीय अनुभवों की भी यात्रा बन गई। आपके विचार में यात्राएँ व्यक्ति के दृष्टिकोण और व्यक्तित्व में किस प्रकार परिवर्तन ला सकती हैं? (4 अंक)

उत्तर : यात्राएँ व्यक्ति को नए स्थानों, लोगों, संस्कृतियों और जीवन-स्थितियों से परिचित कराती हैं। इससे उसकी सोच व्यापक होती है और वह दूसरों के सुख-दुःख को समझने लगता है। हम उस जगह की स्थानीय संस्कृति से परिचित हो पाते हैं। उनके रहन-सहन, बोली भाषा आदि से परिचित हो पाते हैं। जीवन शैली के मूल्यों को नजदीक से देख पाए हैं। इस यात्रा में लेखिका ने सिक्किम की प्रकृति के साथ वहाँ के श्रमिकों, बच्चों और सैनिकों के जीवन को भी देखा। इन अनुभवों से उनके भीतर संवेदना, आत्मचिंतन और मानवीय दृष्टिकोण विकसित हुआ। इस प्रकार यात्रा व्यक्ति को अधिक संवेदनशील और जागरूक बना सकती है।

मैं क्यों लिखता हूँ (अज्ञेय)

प्रश्न 1. लेखन समाज में परिवर्तन लाने का एक प्रभावी माध्यम है।' 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के संदर्भ में इस कथन की विवेचना अपने विचारों सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के अनुसार लेखक का मानना है कि लेखन केवल मनोरंजन, प्रसिद्धि या धन कमाने का साधन नहीं है, बल्कि समाज को सही दिशा देने का प्रभावी माध्यम है। लेखक अपने विचारों, अनुभवों और संवेदनाओं को लेखन के माध्यम से लोगों तक पहुँचाता है, जिससे लोगों में जागरूकता आती है और वे सही-गलत का विवेक विकसित करते हैं। अच्छी रचनाएँ समाज की बुराइयों पर प्रहार करती हैं तथा मानवता, नैतिकता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देती हैं। इसलिए लेखन समाज में परिवर्तन लाने का एक सशक्त साधन है।

प्रश्न 2. 'आज विज्ञान और तकनीक के युग में लेखन की भूमिका किस प्रकार बदली है? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर अपने विचार उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के अनुसार लेखक लेखन को आत्म-अभिव्यक्ति और समाज-हित का सशक्त माध्यम मानता है। उसके लिए लेखन केवल व्यक्तिगत संतोष या प्रसिद्धि का साधन नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाने और लोगों के विचारों को सकारात्मक दिशा देना है। आज विज्ञान और तकनीक के युग में लेखन की भूमिका और भी व्यापक तथा प्रभावशाली हो गई है। इंटरनेट, मोबाइल, ई-पत्रिकाओं, ब्लॉग तथा सोशल मीडिया के माध्यम से लेखक अपने विचार कुछ ही क्षणों में लाखों लोगों तक पहुँचा सकता है। इससे ज्ञान का प्रसार तेज़ हुआ है और सामाजिक, शैक्षिक तथा वैज्ञानिक चेतना का विकास हो रहा है। उदाहरण के लिए, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, स्वास्थ्य और डिजिटल शिक्षा जैसे विषयों पर लिखे गए लेख लोगों को जागरूक और प्रेरित करते हैं। इस प्रकार विज्ञान और तकनीक ने लेखन के माध्यम और पहुँच को बदला है, परंतु उसका मूल उद्देश्य—समाज का मार्गदर्शन, जनजागरण और सकारात्मक परिवर्तन—आज भी वही बना हुआ है।

प्रश्न 3. यदि आपको लेखक की तरह अपने जीवन के अनुभवों को लिखने का अवसर मिले, तो आप किस विषय पर लिखना चाहेंगे और क्यों? अपने उत्तर को तर्क सहित लिखिए।

उतर - यदि मुझे लेखक की तरह अपने जीवन के अनुभवों को लिखने का अवसर मिले, तो मैं शिक्षा, संघर्ष और मानवीय संबंधों पर लिखना चाहूँगा। मेरा मानना है कि जीवन के संघर्ष व्यक्ति को मजबूत बनाते हैं और शिक्षा उसे सही दिशा देती है। अपने अनुभवों के माध्यम से मैं लोगों को कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, ईमानदारी और निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देना चाहूँगा। साथ ही, मैं यह भी बताना चाहूँगा कि परिवार, प्रेम, सहयोग और आपसी विश्वास जीवन को सार्थक बनाते हैं। मेरा उद्देश्य केवल अपने अनुभव बताना नहीं होगा, बल्कि उनसे समाज को प्रेरणा देना और सकारात्मक सोच विकसित करना होगा। यही 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में लेखक के लेखन का मूल उद्देश्य भी है।

**************@@@**************